

श्रीः नारदादिसेवतः
पारदविसदप्रकासं सारदेविधुवदनीकरैरहिते
सारदावासः ॥१॥ वेदकरतत्रालसलषतवडोग्रं
अभिरामः ताकोद्योद्योकरहृदुमैवेदरतनग्रहना
॥२॥ अथनारीपरिहा ॥

१। श्रेकोइ जे श्रेहा श्रेतुरतहीनारीज्ञानुनहोइ
३। हाथअंगूठानिकटहीनारीजीवनमूल
पंडितदेहकोजानेंदुषसुषसूल ॥ ४। नरकोकर
ददाहिनौत्रियकोकरपदवांम ताहिवेदजननि
षिकेंनारीकोपरिनाम ॥ ५। संप्रदायपोथीनिसे
अरुअनभोसोजानि नारीलछिनवेदपुनि
षदिकहेवषानि ॥ ६।

नकरिअंन
आदिमद्विअरुअंतते
परीतीनिविधियनारी
धातिसमचत्तैरीवा

घपलकागमंडकलवगतिवपितवधानि ॥ ए
 मूरकवृत्तरपडुकुलीराजहंसतमचर ॥ इनि
 कीगतिनारीनिरषिकफजानौयहमूर ॥ १० ॥ ब
 रवारमंडकगतिवारवारग्रहिगेन ॥ वातरि
 तकीनाटिकापंडितजनैः ॥ ११ ॥ एरूपहंस
 गतिसमचलेनारीतवकफवात ॥ सिंहहंसा
 तिपितकफनाशितवयहधात ॥ १२ ॥ रहिरहिक
 तुकाठकौकठफोरकरिसोर ॥ योनारीतव
 गानियैसंनिपातकोबजोर ॥ १३ ॥ तीसवारल्प
 फरकिफिरनारीरहिजाइ ॥ तवयहनहच
 ननौयेरगीनहिठहराइ ॥ १४ ॥ राहतीनफिर
 रिचलेनारीवारंवार ॥ तवरोगीकेप्रानस
 इयहेनिरधार ॥ १५ ॥ जिष्णुजिष्णु
 क्राटलकुटिलव्याकुलव्याकुलफिरि ॥ रहि
 हनारीचलेजाइसुद्धिमहेफिरिगिरि फर
 काठमजारनितनारीवहकवहं ॥ चलिचलि
 गुरीक्येवहरिनारीवहतवहं ॥ इतिनुक
 भाववहतेवहरिनारीकेतेनिरषिनिज
 नौसाध्यनारीनिरषिसंनिपातबुधकत

निश्चित १६ पहलपित्तगतिहोइबातगातहोइ
बहुरिवह कफगतिनारीहोइभेदुकहिदियो
बुधियह चकचदीशीकिरेथाननारीमपने
तजि बहतभयानकाहोइमोरिगतिचलेबहु
रिसजि होइजाइसूखमबहुरिजानिपरेन
कियेपरस इहभातिहोइनारीजवहितबग
साध्यकहियेनिरस १७ नारीपरके
मासमधिवहगंभीरवषानि नारीजुरके
जोरतेकुपतिदुष्टगतिजानि १८
कामकोपतेचंचलनारी विंतायेगछीमनि
रधारी छीनधातुमंदा छिगिनियारी ज
कीनारीमंदाविद्यारी १९ लोह
आंविक्काशेगरीनारीहोइ उदर
गिनितिचपलतबहलकीलबुन
२० लहुजानीएक भूषकी
शुचपल मुनिजनकियोविवेक नर
धरजानीये २१ दुपहर
समानदुश्मलगिरिचंचलनारि
जोवेनएकदिनमुनिजनकियनि

रि २२ जैसे डो रूच लति है यो नारी चलि
जाइ जाकी नर वह एक दिन नी ठिनी ठिठ
हराइ २३ इति नारी री री री री री री री री री री
रि २४ दरकी धीरी घर घरी जी भयवन क
हि देत लाल स्पाम वह पित्त तै क फतै पी छ
ल सेत २४ सधी कारी कं ट कित सं निपात क
हि दीन मिलवां ल छिन होइ के असु भ सु ल छि
न होन २५ नेत्र परी छा दोहा रूषे च व ल धु म
र भी म जर त से नेन नि है चै त व व ह जा निये वा
तरी गे है नेन २६ दोष सहा इन संतत पीते नेन
त व पित्त गी ल चिके ने त ज घ टि मं द जा नु क फ
मित २७ वाइ पित्त क फ वा त के के क फ पित्त मि
लत त व मिलवां ल छिन के है नेन व र न ल वि
संत २८ को र टे दे मो ह अरु भी म जर त से नेन
ता ल भ थान क ने न ल धि के है त्र दोष नि नेन २९
आ धि म थान क एक अरु व ह दू जी मु दि जाइ त
प्र रो गी दिन तो नि मे ज म के घ र ठ हराइ ३५ जो र
गी की तुरत ही लोचन जाति बिहीन अरु जनु क
होइ तो ज म से व क क हि दीन ३६ चो पई जा
अं धि ज ल द स म कारी लाल कि हाइ र क त

अनहारी वित्तवतलगे ध्यानकभारी तारिणी
कीमोचबिचारी ३२ दोहा भूमतेदुगतोरफि
एकदिष्टिनिहचत एकरातिमेजमनगरमगु
रागोगहिलेत ३३

नोदनासनिसिहोइकंठकफजबभरिजावे हो
इदेहमधिदाहचैनपलुएकनपावे वातकहत
तुतराइहोइलघुसुष्टिमनारी इदियमनवत्त
रहनसकतिनहिजाइबिचारी होइजाइशगी
सुइमितुरतरोगग्राधीनजब ताकहबिचारि
गोषटिकहतसमनामतजिकामसब ३४

जातेसवहीरोगकोउ
शरजासिरदार तातेपहलैकहतहोग्रवजुर
कोअधिकार ३५

कंपवेगकंठमुषगोठसुषेनीदनासुक्तीकहन
जावेऔरदेहमेरुषाइजो अंगहीयोमूडपीर
वदनविषहोइगाढीबीठिवातवेदनाहज
तिजानिवो बदनकषाइअंगफुरीयाकरनना
हुउरुसाडुविसलेषहोइजानुसाधिको संभ
भूमइतलौहरषसुसुषीकासबमनजोहोइ
वातजुरइमिजानुतो ३६

बीठिमून

नेनाञ्जरुनष्पासप्रलापजहाइ॥सूलअफारिवोवांत
जुरलछिनयहईआइ॥३७॥...
तीछनवेगजोरअतीसार॥अलपनीदउक
लेदअपार॥कंठओठमुषनाकवषानौ॥तिनिकोपवि
वोयहमनआनौ॥३५॥खेदप्रलापवदनकहुतांई॥
दाहमूरछांत्तषावताइ॥भृममदपीतनेंनमलआदि
पित्तज्जुरलछिनकरियादि॥३६॥...
नेहैचलअंगवेगपतरादि॥मधुरवदनअ
लसठहरादि॥मलअरुमूत्रसेतरगहोइ॥संभवपतिज
नोयेदोइ॥गुरतासीतओरउकलेद॥रोमहर्षनिद्रायह
भेद॥फुरीयाअंगसीतपरसेक॥कवहूतंद्राछिरदिविवे
क॥३९॥तातीवस्तवहुतमनभोवे॥मदपेटकीअगिदि
लषावे॥पीनसअरुचिसेतद्वगकास॥कफजुरकोयह
कस्योप्रकास॥४०॥त्रषादाहअरुमूरछाआदि॥नी
दनआवेमूउपिरादि॥भ्रमंमुषकंठसौशुअधिकादि
रोमहर्षवमिअरुचिवताइ॥४३॥गारिगाठिउपजे
अतिपीर॥मानौलगेविसारेतीर॥मोहहोइअरुहो
इजहाइ॥वातपित्तजुररीतिवताइ॥४६॥...
निहचलअंगनीद...

गांठिनिपीरखटावे पीनसहेइ होइअसकाय
मूडपिराइपसीनानास वेगहोइमध्यमन
हिजोर देहताकसेतापकठोर औसैलछिन
जवउनमाने मंदपेटकीअगिनिबघाने ४

लिबिरिलिविरिमुफकर
वीहोइ तद्दामोहप्रगटयेहोइ कासअरुति
अरुतागैपास फिरिफिरिहोइदाहपरगा
स अरुफिरिफिरिजाडौल गिजावे रोगीप
जमरिचैनुनपावे प्रगटहोइजवलछिनय
ह पित्तकफजुखुधतवकहे

इनमैजाडौइनमैदाह मूडपिराइ
नहोइनिवाह संधिसंधिहाउनिमैपीर नै
ननिमैभरिजावेनीर टेठकलुषनेनइमि
लाल भरिरोषेहे मनोगुलाल करनना
दअरुकानपिराइ कंठकहोइकंठभरिजा
इ तद्दामोहप्रलापप्रकास आसअरुतिमू
मउपजेकास जीभघरघरीजरेसमान सि
थितहोइसकंगनिदान पर कफलोहउगैल
मुषपित्त धुनेसीसमुषपावेचित्त नोटनास
वसाअधिकारी होयमैहोइपीरअतिभरि

शोवेअलसपसीनाअंग॥ थोरैनातिमूत्रमल
संग पर देहदुवरइअधिकनजाइ॥ यनसमकुंठ
घनौघहराइ॥ देहददोरकोरेलात्त मंडिलहो
इकिवहुतविसाल॥ प३॥ पकेकानमुषवालनमा
वै॥ अधिकउदरमधिवोकवतावे॥ जाडोलेगैस
वैदिनसेअै॥ अरुजागतसबरीनिसिधोत्रे॥ ५४
रेनिदिनासबजागतजाइ॥ बहतपसीनाकेन
हिजाइ॥ हसिहसिनचैगावैगौत॥ लीलानिर
षिहोइमनभीत॥ बहुतकदिनारोगपचिजाइ॥
सनिपातजुरलछिनजाइ॥ ५५॥ अ॥ जुरलछि
न॥ दाहा॥ जुरमैलेघनप्रथमहीमुनि
जनदियौवताइ॥ कामसोकभयकोपछ्यवात
जुरहिवचाइ॥ ५७॥ जोरइ॥ वातजुरअरुकरु
जुरवारो॥ भूषोहोइजुबहुतविचारो॥ ग्याभ
ननारीवालकपासो॥ बूढोअरुडसयेकाषा
सो॥ अरुदुर्वलइनमधिगुनताइ॥ ऊरधवात
होइपुनिजाइ॥ इतनौरोगीबुधगनिलेइ॥ अ
लघनकरननेकोकरेइ॥ ५८॥ अ॥ ले
घनमासकरतहेदोषसहितवहजाइ॥ दोषग
जेफिरिकैसहं हंघनकरीनजाइ॥ ६०॥ सात

रातिमेवातजुरपितजुरदधराति कफजुर
वारहरातिमेपकतकहतसुनिजाति ३३ सा
तरातिलौतरुनजुरवारहमधिप्रजान ज्ञा
गंवारहरातिजोरनजुरमनमान ३२ पा
सभयानकवहतहेपाएहोहरजुपान पा
सकोजलुकेजीयेयहईवातनिदान ३३ मे
उपासतेहोतुहेवाहलेउहेपान तातेरो
गीकोनबुधवरजेजलकोपान ३४ जो
नेनरोगजुरमंडलसंग उदरशेगकोहृदि
परसंग मंदागिनिप्ररुग्गुरुचिदिचारे
मुषकारिवोपीनसनिधारे ३५ यज्ञरुसे
चरोगफिरिवेसौ जोराप्ररुद्धरमेहजु
तयो इतनेरोगजाइलपिपावेताइगुन
गुमोनीरपिबोवे ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००
हमहागरमीपुनिपिप्रभोविहिसोदुप
पावे राहकेलेगरिहेहुकातकिछाह
लगेकहुजीसोनभावे पिनकेरतकेह
हको जोरकिपोगेतेमाहुरजोरजाति
होतेहेरोगइतनरजाकहताकहसीतल

वज्रतसरथययै चरनहीनहेमंतवतोवे
श्रीधमरितुगससिरेवसेत मथ्येययवे
यहसुनिमंत रितुविपरीतबुवरसाभाषे
नबजलजसगाठौरोषे उद्योदककोस
रसविधान सुनिजनसवयहकयोनिदान
५५ लंघनबुकोभाटिकेरिपाचन
लेगुरवीच आहलेइगुरातेमेजातुरहेगुर
नीच ७७ सोरिधना
पुरदाहकरुदेइकहाइलेइ गुरावेताके
पहसयोपाचनकरिहेइ ७७ दोइकटाइगु
सुसुपुरवेसोरिउत्तोर वाइवलीकमल
कगवालेइबुधवीर ७७ किरवाशेनीया
मिलेकाहोदेइवनाइ जोकिपियैतुरतहोवा
नसुरभमिनाइ ७७ कुटकीनीयाकाइकर
नीवद्यालिकरिइअथ पित्तज्वरकोइइजोस
हितहसमहिनकाय ७७ नीवद्यालिपुरवे
धनागरुहोयोपटमाष रातेचंदनसकल
सुरहरेकायसुनिभाष ७३ सुषणनीकर
अरविगुरदाहइरिदिकारुपास इवकोय
होकायसो जानैतुरतनिकास ७३

वीजपूरजरपीपरामूर। मोथोसोठिमिला
इकचूर। जवाषारजुतकाटोपात्रे। कफजुर
नरकोत्तुरतमितोवे। पित्तपापराजोरुकटाई
फिरिप्रथंगकीषवरिमगाई। फिरिचिराइतोकु
टकीबासा। काथबनावेइनकोषासा। चिं
नीषांडकाथमेडोरे। सीरोभयेकाथनिस्था
रे। काथपिबोवेरुचिउपजाइ। त्रषासहित
पित्तजुरजाइ। टप। द। ह। परवरदलको
काथकरिमधुसोमधरकराइ। दाहपित्त
रुपित्तजुरत्रषाहरनलेपाइ। टप। पित्तपाप
राज्रावेरनीजाडारिमिलोइ। पित्तजुर
अयाकाथसोडोरेनिश्चितषोइ। टट। कम
लगटापदमाषअरुलोदुसारिवाडारि।
गुरेवेमिश्रीकाथसोपित्तजुरदेटारि। कि
रवारोअरुदाषकोकरेकाथजुरपित्तकेकु
लेरकेकाथसोहरेपित्तजुरमित। टप। पि
त्तजुरकेहरनकोपित्तपापरामीर। चंदनमो
थाकाकहोअरुमिलिजाइउसीर। ए० चं
दनधनीयापोपरासोठिउसीरसमान।
त्रषादाहजरवमिहरेसीतलकाथनिदान

मोथागुरवेपोपराकिरवारोमुउखोर पंच
भडकाटोकरेवातपित्तजुरपीर १२
त्रफलाग्रहसेमरिकीछालि इनिमहिफिरि
रसनाकोघालि १३ किरवारोग्रहवासपित्त
वातपित्तजुरकायढकेलो दावसोदि
गुरवेमिलेमिलेपुहकरमूल कायवातक
फजुरहरेकरिब्रह्मनिश्मूल १४ किरवा
रोमोथाहरकुटकीपीपशमूल कायकह
कफवातजुरतुरतकरेनिश्मूल १५
गुरवेकुटकीमोथालावे नीवछालिता
मेजुमिलावे सौठिहुंहुंजीपरवरपान चं
इनडारेवेहसुजान १६ विधिसौकाटी
जोतिउतारो तामधिपीपरिचरनडारो
यहअवताएककाटोआइ पित्तकफजुरया
सोजाइ १७ परवरचंदनपुरहरी
कुटकीपाढगिलोइ पित्तकफजुरहाहवमिकं
डडारेघोइ १८ स्यामसिजाठोतीनफूलन
वसुपरवरपात इनकेकोठतेतुरतपित्तक
फजुरजात १९ लंकाउतरकोनमेकुपुरन
मकपिआइ लोकोसुमिरनकरतहीतुरत
इकतरोजाइ २० परवरपातनी

की ह्यालि दाधु और किरवा रै घालि ३ फ
ला और अरु सो डारे काथ करे इकतरो वि
डारे राहाहा सहत घांडया काथ मे डरे वे
द सुजाना काथु दे इत वपानिको यहै बेदको
जाना ३ ३ फला परवर इंदु जो मोथो नी ब
जुहा घा हेरे इकतरो काथ यह कही वार दस
लाघ ४ ४ हर रजवा सो इंदु जो परवर गुरवे
नीम जातुर हेया काथ ते जे सत जु र अति
भीम ५ ५ सो टि धना गुरवे सर सचंदन मो
थाले ३ अरु उ सीर इ न मे बहु रिचतुर जा
निके दे उ ६ काथ करे इ न को तहा डारे म
धु अरु घांडया कोट सो वेद हठिके रै ति जा
री भांड ७ ७ लंका पति म द हर न जान
की सो क निवारन लक्ष्मि मन छत्री तिलक प्रा
नर छ्या के कारन इन्द्रिय जीतन हार सुभट
र छे क सकुल मारन पवन पुत्र वल वंत न ग
र लंका पुरजारन हनुमान के नाम को उठत
हि जो न र नित पद हि ता क म ह न फेरि सुष ह
र मे वह नुर जु तृतीय क वह च द हि ८ ८
सो टि हर र कठ से रू वा प्रो म ल की सालो नि
डारि अरु सो इ मि करे

तामहिमिप्रोडारिकै सहतसहितसौपाइ
मंदागिनियासोमिटेचातुर्थिकजुरजाइ १०
दवदाहदरेवहरिसौठिअरुसोहोइ ११
होमधिसालोनिफिरिआमलकोयेदोइ १२
काटेमैमिप्रोसहतडारिभलीविधिपाइ का
सखासघटिअगिनिअरुचातुर्थिकजुरजा
इ १२ अशग्निकेपातकोकादोपाथर
कटि नासलेइनरजाइतोचातुर्थिकजु
इ १३ मीथाओरकटाइओ
शौठिआवरेणवेमोटी पीपरिसह
नडारिकेपावे कादोविषमजुरहिनसा
इ १४ गुरअरुजीरोमिलइकेपे
साभरिनितघाइ वातवेदनालघुअगि
निचातुर्थिकजुरजाइ १५ चूरनकरेहर
कोमधुसोलेइमिलाइ विषमजुरकेह
रनकोओषदिदइबताइ १६
पीपरिपांचदूधसोपावे पांचपांचयो
जुवटावे सोपीपरिलोवढतीकरे ते
फिरिघटतीउरधरे १७ स्वासवात
रुधिरविकार पांडुअरुसअरुसोथ

पार गुल्मउदरविषमज्वरजाइ बरधमानपीप
रियहघाइ १८ दिहा ॥ बरधमानपीपरिमषजे
नरयहसुषपाइ औरमछसवकैडिकेदूधभात
कोषाइ १७ मगरकीजरकानसोवाधडोरडा
जुग्गावतुहेरातिकोताकोदंडविडारि २० जैसे
वाधकानसोसतआककोमूल तासोनिहचैज
नीयेसोतज्वरनिरमूल २१ वाधसतकनैरिकी
जस्करमेनरलाइ तासोनिहचैजा नीयेसोत
ज्वरमिरठजाइ २२ दिहा ॥ सहदेईकोमू
ल लावेबसनउतारिसब चतुर्थिकज्वरमूल
जाइकानवाधजेवे २३ दिहा ॥ कोवादीकेपा
नकोरसकोटकुटवाइ ताकोअंजनकरतही ६
चतुर्थिकज्वरजाइ २४ पीपरामूरहरीतकोकु
टकोमोथाकाथ ताकेपीवतहीमित्तुआमास
यससाथ २५ दिहा ॥ कूठसोठिअंसगंध
वहरिसरसोरलेसमजानि कोरोगधराअंग
मेवातपित्तज्वरहावि २६ दिहा ॥ पोहाकर
मूरकाइफरलेउ काकारसिंगीपीपरिदेउ स
डारिकेवेदचटोवे स्वासकासज्वरकफहि
नरावे २७ औरपोसिमथिमेनहर
वदनुमावअंग नितहरद

परसंग २८ दाहदेहजाकीप्रतिज
कोपहस्तउतानोकरे फिरकोसेकोवासनको
ने जामधिकुष्टगहराजाने २९ वासमुत्पाड
टाडोपरधरे सीतलसलितधारतहकरे सीत
ततावहवावेजो ज्यो दाहमिटतनकोसब
त्यातो ३० पातनीमेकवेरके मधिउपजावे
फन केनलगावेअंगमेदाहमिटाकेम ३१
हरआवेरपीपरेशिकसौधोनोनु चूरनमदा
गिनिअरुचिचुरमलघनकोपोनु ३२
कर्षकतालीसकषडेमिरचेनीजे कर्षतीनिले
सौठिचारिवहपीपरिदीजे पाचकर्षभरितहांवंस
लोचनबुधग्रानो आधकर्षतरिजआधकर्षए
लालघुजानो मिश्रीमिलाश्वतीसफिरिकर्षस
कलचूरनकरहि नुरजारसोकअफराअरुचि
स्वासछाडिपलिहाहरहि ३३
हरदीलाषमजीठकोकलककेखुधवीर
लेहितेलतेछहगुनोबोहोतदहीकोनीर ३४
छाहिकलकवहतेलमेंडारेवेदपचादि तेल
गावेअंगमेंदाडसीतजुरजादि ३५
लाषमुरहीहरदीदोऊ लेइदिदोरनिकीन

सोऊ लै मजीठ च्यो वडी कटाडी सैधो कूट सुता वरि भाई
३६ जटा मासिकारा सना ग्रानों ॥ एक प्रस्थ भरिते लव
घानों ॥ चारि प्रस्थ लै दधिकौ पानी ॥ कलक करै लै थोष
दिजानी ॥ ३७ ॥ कलक दही कौ पानी डारि ॥ तेलु चढावै वै
द विचारि ॥ सिद्धि होइ जव ते लु उतारै ॥ तेलु लगावै सव
जुरजारै ॥ ३८ ॥ इति अंगारक लेलु ॥ अथ रसात्तौ पद
सो धिले द्विविषगंधिक पारौ ॥ कनक वीज समती न्योडा
रौ ॥ इतनी दूनी कुटकी स्त्रीजो ॥ चौधलाइ इक ठोरौ की
जो ॥ ३९ ॥ चूरन करै भावना चारि ॥ काढोकै बुधदे दिवि
चारि ॥ सुषै धाम मधि चूरन लेइ ॥ दोइ शती धै वै कौ देइ
४० ॥ अनूपान अदौर सलेइ ॥ कितौ जलीरीयु दोदे
इ महाजुरंगु सरस यह आइ ॥ याकौ गुन सब
बदयो वताइ ॥ ४१ ॥ नित जुर और इक तराभा
री ॥ याकै षांजै जाइति जारौ ॥ विषम जुर चातु
र्थिक जाइ ॥ सब जुर कौ जोष दि यह आइ ॥ ४२
तीनिदिनाकै पाचदि
नदसदिन करै उपास संनपात जुर जानिकै कति
जीवकी आस ॥ ४३ ॥ दोइकटाई गोषु रू दोइव
लारै जानु सोना बैलक योरि अरु पाडर इरने

जानु ४४ काटोयादसमूरिकौपीपरिडारिपिया
उ संनपातजुरजोरअतिताकोवेगिनसाउ ४५
कुटकीसौठिचिराइतोदारुहरदसमूलधना
इंद्रजौलीजियेगजपीपरिअनुकूल ४६थेओष
दिसबजोरिकेपौजेकाथबनाइ स्वासकासतं
द्राअरुचिदाहमोहजुरजाइ ४७
भारंगीचिराइतोइदोरसुनिकीजरह्वालिनीमकी
लेमौथवचकुटकीहरददे पीपरिमिचवाइसु
रईअरुसौसौठिदेवदारजवासौपटोलहकेपात
देपौहोकरमूलत्रायमानवृत्तनोनीयागुंडीचौ
दारुहरदनिसेतुसुअतीसुहे सोनाइंद्रजौपाट
पाडरकटाइओरत्रफलाकचूरसबजोषंदेयेज
मोके ४८ स्वासकाससूलगरुहचिकोपवनवि
थागुदरोगजाकेजोरहेतुअधमातेहे धीचिको
पिराओओरपिदुरीपिरावौषनिगांतकीबडनि
कंठविद्याजुनिदानहे संधिविद्याकेविनासुक
रिपलकमेबुधजननिकौपरमनिदानुहे संनपा
तंतरहौमतंगजाकेमारिवेकोकाथयहसावी
कहोसिंघकेसमानेहे ४९
ट्टहरदीत्रफलावहरिकुटकीप्रीथालेउ
नीवअतिपुपटोलजरअलफाटाइदउ ५०

लगाधिकाः वह्नसाध्यदुसाध्यसुषसाध्यजुत
मैगाइ ६१ सौठिकलोजोकाइ फरकुलथोयस
मज्ञान करनमूलकौकनकुनोलेपनुफिरिफिरि
ज्ञानि ६२ ३२ नीसौठिचित्तवरिज्ञाने
देवदाररासनिफिरिज्ञाने औरविजोरकोजरड
रि करनमूलडहलेपविडारि ६३
त्रकुवतौनपांचडलेइ सोफबहरि
दोजीरेदेइ तीनपारनेऊलेधरो येओषदित्तै
चूरनकरो ६४ सोधोपायेगंधिकुलीनो मासो
अभक्तइनमधिहीनो ओषदियेसवलेउसमा
न आदिकेरसकाहिसुजान तारसमेयेओषदि
सानि सरसधलरुसुलोटाज्ञानि डारिबल
रमेओषदित्तैउ एकदिनालोगारेदेउ ६५ बीर
भट्टनाप्ररुजाइ मासोभरियोदेइषवाइ
जादोसोधोचिचकलीजे अनूपानजलसोधि
सिद्धीजे ६६ बीरभट्टयहरसकद्यो
सुनिजनदयोवताइ संनपातगहराजकोसिध
समानसुजाइ ६७ वातसांजरसहीजीयेपो
धिनिकीसुनिवात रसधवाइकैदोजीयेपया
इधग्रहभात ६८
स्वासमूरकाग्रहचिग्रहछिरदिवषागत

सार मलबंधहिचकीकासगरुंगपीडसिरदार
७० येजुरकेदसजानियैकहेउपद्वगौन कामते
गोषदिकहतुहो ज्योपावेनस्वेम ७१ शोडश
त्रकुटामोथोगोरकचूर पथसंगागरुपोहोकर
मूरपंचमूलगरुलेइकटाई तिनभधिगुरमे
गोरवताई ७२ येगोषदिसवलेइसमानति
नकोकाटोकरेसुजान यहकोटोकरिकेनुपिवा
वे सबेउडवतुरतनसावे ७३ देहरा किरवा
रोदोषेवडीकुटकीहरउसीर काथपोपर
सहितगरुहरेमूरछापीर ७४ केनिसोतमि
श्रीहरचूरनसहतमित्ताइ चाटेतासोतुरत
हीविकटमूरछाजाइ ७५ बारबारमुषमेध
रेसोठिमिरचकोनीर गरुचिहरनकोमुषधरे
कनिबुवारसधीर ७६ काटोविजोरकोसर
सुकेसरिलौनमित्ताइ मधुजुतराषेवदनमे
विकटगरुचिमिटिजाइ ७७ कुटकीपोपरिसह
तजुतमोरपंषकीराष केगुरवैकोकाथुमधु
द्विरदिहरेमुनिभाष ७८ विरविजोरैकठगर
दरिवारसजलीर जीभलेपतेयहहरेतुर
तत्रेधामेभीर ७९ रूपेकीगोलीकेरेवहरा
षेमुषनाइ ताहोसौवहगतिक

धातुमाइ ८० तजपत्रजगुरुलाइचीचंदन
 दाषउसौर चूरनमिश्रीसहतजुतयहचाटे
 जोबुधवीर ८१ यासौत्रषात्रदोषकीश्रीरुपि
 तकीजाइ दाहमिटावेजुरहरेयहयाकोगुन
 जाइ ८२ लैचिराइतोपोपरागुरमेमौथा
 डारि पाठसोठिअरुइंइजोकुटकीताहिवि
 चारि ८३ यहजोषदिसवजोरिकैकाटोअ
 हहेसार याकाटेकेपियतहीजाइजुरअंतो
 सार ८४ अरुलोमनविधिवातहरकरेजान
 मत्वबंधतीहुनफलवातीनिसौकेकाटेमन
 गधय्य श्रीरनिश्मलवीरमेसोधोनोनुपि
 साइ नासुदेइजाकोजबहितवहीचकिमि
 टिजाइ ८६ पीपरिपीपरामूरलैसोठिइंइ
 जोचूर चूरनचाटेसहतसैकरैकासकेद
 र ८७ काटिअरुसेकोसुरसुमहुमेमधुरमि
 लाइ ताकेचाटेतुरतहीकासदरिहेजाइ
 ८८ जुरविरोधुतजिदाहकोसोतलकरैवि
 धान मिटेउपडवजुरमिटेयहेवेदकीजा
 न ९१ सहससोसपितुजगतपितुतिन
 केसामहजार तिनसौहरिअसुतिकरत
 सवजुरजाइअपार ९० ति गो मी

जननिप्रदतिरचितायां भाषी वेत्तरत्नप्रथमः
प्रकसोशमथं तीक्ष्णरादिहो॥ अग्निबुधव
तउदरकीजबबटिबटिजलधाता॥ होतपवन
आधीनमलसहितैरवहजात॥ १॥ अवनल्लगे
मलजलसेरसजबेवारहीवार॥ अतीसारवह
जानियेइहविधिहेनिश्धार॥ २॥ वातपित्तकफ
सोकअरुआंवत्रदोषजुओ॥ जाविधिअसो
जानीयोअतीसारसबठोर॥ ३॥ धनासोठिमै
थावहुरिबेत्तउसीरजुहाथ॥ आउसूत्तमत्त
बेदहरपाचनदोपनकाथ॥ ४॥ धनाआदिजे
पाघहेतिनमैसोठिवचाइ॥ काथकरैयहपित्त
कोअतीसारमिटिजाइ॥ ५॥ मोथाबेत्तउसीर
अरुधनासोठिसुअतीस॥ काथपियेइनकोहरे
तोविवंदजगदीस॥ ६॥ आंवसूत्तअरुजुरहेरेअ
रुचिस्कतेअतीसार॥ यहजानीयाकाथकोक
द्योजुगनविस्तारा॥ ७॥ चूरनचत्रककूठकोचाटे
सहतमित्ताइ॥ रक्तपित्तबहुदिननकोअतीसा
रपुनिजाइ॥ ८॥ मोथाओरउसीरकरो
पुनिलीजिये॥ पादधाइकेफलसुदरिवादीजी
ये॥ चदनलात्तअतीसकाथइनकोकरे॥ कुंठजा
एकअतीसारसहितयेहरे॥ ए॥ दहकरतअरु
सूत्तआंउकेरोगे॥ अतीसारकेभेटसोरसव

जानते तिनकोषो वमहार काथ यह जानिये क
को पुनस्वविष्णुमन किनेतिशानिये २०

आछे नोका वकला क रको ल्याइ वा वरुथो
वन सो पो सि मि हो गोला के करन को जानि
के आछे नीके पात निको दोना करि गोला बुवना

ववहवा होके धरनको वाधिकु ससो लपट
माटी पुटपाक करिका टिर स्यावे मे लि मथके
चरनको अघा अत्र सुत ताको करे सब ओषधि

यज्ञो गभरा जगंतो सारके हरनको २१
सो ठि मंडके रंग सो पो सि करे पुटपाक स्थल
अरु कि अतो सारको मथु जत चाटि निकास २२

पां नो हडी या डारिके ज्यो ज्यो ज्यो टे जात तो हो
वह बुधि जानिये अतो सार धन वात २३ य
ग्र नी प जतो सार जव हो मि टि जाइ मं

र अमो नि न र ग र मो जाइ ता सो उद र अ गि निय
ह सरे उद र अ गि नि त व ग्र ह नो इषे ग्र ह नो इ
ष न ज न प चा वे क छे पाइ का चो निक सो वे पं

करे पो र ह र गंधि गे फि रि फि रि के दे व न र अ फि र
वंद २४ अतो सार चा ली सा दिन फि रि
संग्रह नो होइ ताको ज्यो अदि की जिये ग्र य निक

मत जाइ २६ संग्रह नो के यह कहै ल छि न वि
चि वि चारि इ मि संग्रह नो जानी यत व क थि

उपचार १६॥ सौठिवेल्लसामसधनांअरुसात्तो
निमिल्लाइवात्तग्रहनीवंदकौकोदोकरिकेप्याइ
१७॥ सौठि ॥ मोथासोधुकुरेकीकालि ॥ सौनासो
ठिकटाइद्यालि ॥ वेल्लजगरुधाइउसोर ॥ ओरमो
चरसडारौधोर ॥ आमकालिइइजोआने ॥ अरुअ
तीसहैइमैसाने ॥ सोरहमासेचूरनधाइ ॥ चावर
धोवनसहतमिल्लाइ ॥ संग्रहनीरकतअंतीसार ॥
अतीसारजेओरअपाइ ॥ तिनिकोमुनिकरि कद्योवि
वेकागंगाधरयहचूरनएक ॥ १८ ॥ दोहा ॥ सौठि
धाइकेफूलअरुमोथावेल्लुमिल्लाइ ॥ कालि
कुरेकोइइजोकुटकीपाढसुत्पाइ ॥ १९ ॥ मिलि
अतीसरसोतुअरुचूरनकरेवानाइ ॥ चावर
लसोधाइकेसहतडारिकेप्याइ ॥ २० ॥ पितग्रह
नीअरसअरुगुदपीडांअतीसार ॥ नागरादिच
रुनहैइतेदोषनिरधार ॥ २१ ॥ वनाकरे ॥ गंधि
कअफीमपारोकौडीनिकीरायविषपीपरेधतरेसव
बीजासोधिलीजीये ॥ दसचारिदोइसातएकआठवी
सफिरिगंधिकतेकमहीसोअंसइमिकीजीये ॥ ग्रहनी
कंपरसतीनिरतीभरियहजीरोओरसहतसोषेवेक
जदीजीये ॥ उदरअनलवैटेसंग्रहनीअतीसारआम
सयरोगनिसोमतिकोकड्डीजीये ॥

एक और सब औषदें संग्रहनी कौं जानि एक और जा
 नों मठा यह मुनि वचन प्रमान २५ वेदत
 लों मठा वदोत्रे वधो जहा लों मल पुनि आवे कर्म
 क्रम पुनि मठा छुटावे तव रोगी को नाहुष वावे २६
 वातपित्तकफ सहजने लोह
 और दोष छह प्रकार गुदत्रवलि मे हो तु और स
 को पोष २७ दोष दुःख वह भातिके मेद मास
 रुसात् गुदमधि अंकु मासके करे और सयह
 ल २८ एकटका भरि मिश्चैलेइ सुठो
 इटका भरि देइ चित्रक चारि टका भरि आने
 ठटका भरि सरन साने सब चरन समगुर फिर
 डारि वाधे जो लो गो ल सवारि यह प्रसिद्धि फ
 ल मोदक जाने योको फल पुनि सांचु वधाने
 ३० उदर अग्नि को होइ प्रकास गुल्म रोग को व
 रे विनास स्त्री पद रोग न पावे चैन अंस रोग को
 धौ वैज्ञेन ३१ पैसा भरी लाइ चीलेउ दोषे साभ
 रित ज फिरि देउ पत्र ज पैसा तो न समान चारि
 रोग जके सरि जान ३२ मिश्च पांचो पैसा भोर्ये
 हो छह पैसा भरि पीपरि तो हो सोरि साते प
 भरि धरे सब औषदिले चरन करे ३३ सब च
 सम मिश्री डारि रोगी चरन साइ विचारि और
 अरु चिहिय रोग निहरे गुल्म उदर अग्नि वे

कै ३४। सरनचूरनसोरहभाग। साठभागचि
त्रकन्नुरग। चारिभागसुठीकेदेउ। एकभागमि
रचैपुनिलेउ। ३५। सबजोषदिचूरनका। द्योना।
चूरनलेकारिगुरसमसाने। गोलीके। घातउठि
षाड। अरसजाइनहिहोइलषाड। उदो। विद्या। पा
जैपीपरिडारिकैमठामधुअभिगम। तोनग
ह्योसुनिहोकहोअरसदोषकोनाम। ३६। ताके
कोटरनकोदोइ। जैसेवो। जोषेरको। अरसद
नकोहोइ। तैसेभिलवाअरसको। द्यो। विद्या। सा
रहहरीजागतज्योपरमेदविनात। सा। जो। वि। न
कज्यागततेत्ये। सुदगे। सुदजात। ३७। अरसद
रकोकीचलेपटिकाइ। ते। जे। न। म। सो। दो। जो। अ
रससरसामिदिजाइ। ३८। नैननजित्तवाइ। ३९। र
रिनैनषाड। वाइदहे। ल। न। द। लो। अ। र। स। द। यो
३४। देउरारे। का। अ। ग। ज्यो। वि। न। द। लो। अ। र। स। द। यो
३५। देउरारे। का। अ। ग। ज्यो। वि। न। द। लो। अ। र। स। द। यो
वीजउउ। ३६। नैननजित्तवाइ। ३७। अरसद
कुरयाने। न। म। सो। दो। जो। अ। र। स। द। यो

द्वन्द्वरौ नीचकौर सडारि शुधावोधदिमिनाम
शयै सरसविचार ४६ सवाटेकरसप्रातर्हो संजमसो
नितघात भूधवहुतया सोवटेसहज अजीरनुजात
४७ हरपीपरेमों चरलेउ चूरनघोरिद्या
छिमेदेउ केतातेपानीसोघोरो जानिदोषगतिही
जेथोरो ४८ मिटेअजीरनुअरुचिमिटाइ उदर
अगिनिवहुतोअधिकाइ आधमानअरुउल
मनरहे वातसलकोऊनपुनिनिवहे ४९
सोंठिमिरचपीपरिअजमोदासोंधोजीरादोऊ च
रुकरेअठअोहिस्साहीगभूजिलेसोऊ भातघ
वैभोजनपहले चूरनवेदसवावे वातरोगनेतुरत
सावेउदरहिअगिनिवढावो ५० चिउ
कसोंधोपीपरेहरपीसिकेसाइ उझोदकसो
मोसघृतअनअजीरनुजाइ ५१ प
कीजहीरीलावेदोरि पाचसेरसलेउनिचोरि
तीनिटकहीगपुनिजेइ हेगभूजिअकनिरु
इ ५२ पीपरिसोंठिमिरचअरुइ अजवाइ
इनिमाऊवताइ हसहसटकलेइ सबसप सो
लोगेवाइविरंग ५३ सोंचलेउकनाली
रसमधिडाखेदकोइस फिरिबहउसीमी
रे भोभेघोदिगाडिपुनिधरे सिदिउकेगये

सा. वीतैदिना एक अरु वीसा. सी सी कोटै तवै सुजाना. सि
 दि होइ जहीर संधान. ५५. एक अथेला भरि रस वा डि
 सकल अजीर नदे दिवहाइ. विथा सुलकी तन कन रहे
 वाटै भूषवा डि यह कहै. ५६. रति जल नीर संधान
 चरु. सुव रर न. ५७. एक भाग हींगले आउ. दो
 दि भाग वचता हि मिलाइ. तीनि भाग फि रिपी परिडा
 रि. आदौ चारि भाग निरधारि. पाच भाग अजवा इति
 आन. हरर भाग छह तहां वधान. सात भाग थि वक
 फि रिलेइ. आठ भाग कूठ फि रिहेइ. ५८. चूरन औष
 दि जो रि वनावै. देही छा छि सौं घोरि पिवावै. साते जल
 के मदि गसंग. चूरन घा इत वैर हेरंग. ५९. पल्लि नाउ
 अरु अजीर न आउ. उदान तं करि हेन ही नाउ. वात अं
 गवे दनि विष जाइ. चूरन नाम अगिनि मुख घाइ. ६०.
 ६१. टिका. दोहा. सौं ठिपी परै हरर अरु
 थि वक वा डि विशंग. भिलवा वच गुरवै सुविषि करे वहे
 रसंग. ६२. पीसि गाइ के मूत में औष दि सवै समान. ६३.
 चतुर वैद गो ली करै गुं जाके परवान. ६४. एक अजीर
 नको कही है वि सूचि कानानि. तीनि साणु कोटै तवै संन पा
 को चारि. ६५. अदि को रस लाइ के ताके संग घवाइ. ६६.
 यह गटि कानु सजीवनी लक्ष्मी वै चित लाइ. ६७. अ
 ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०.
 ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.

संगकेसौठिसगकेसौधौसगषाड हररजे
जनिरनेबहुतरोगत्रदोषनसाइ ६६ जवाषा
रसमसौठिलेप्रातयोउसोषाड भूषवदे
जरुहचिवदेअनुतुरतपचिजाइ ६७ हरर
पीपरैसौठयेतीन्योसभलेषाड उदरज्ज
गिनिवादेजबेवहुतरोगनसिजाइ ६८
सौधौपीपरामरुपुपरिचावमगाइ चि
त्रकसुंठीहररयेइनमैदेइमिलाइ ६९ एत
एककमतेसकलइनिकौभा गुवढाइ
अगिनिबढावनकौपुरिषहैवडवानलषाड
७० चरनकरवावे चरनषाडप्रभातहोइरुचि
रसौचरलेजावे येसवलेइसमानकूटि
चरनकरवावे चरनषाडप्रभातहोइरुचि
अगिनिबढावे प्रीहागुल्मनरहैहोइवल
यहलेजावे आधमानमिटिजाइपुनिउद
रअरसविषनास्यम चरनमुनिनिकीनौ
सरसइहप्रभावयहपंचसम ७१
नटिका सोधिटकाभरिगंधिकलेइ
सोधिटकाभरिपारोदेइ दोइटकाभरि
रमिलावे तीनिटकाभरिसौठिउलावे सो
धौभिरचेपीपरिलेजौ अजवाइ निअजम

दकरीजो॥ चारिटेकभरिविजियाडारिनि
वुवाकेपुटदीजोचारिफेरिफेरिपुटती
नदिवावे॥ निबुवा१२सद्यामसुषावेषल्लरमे
घिसिरतीसमान॥ गालीवाधैवेदसुजान॥ हो
तुअजोरनअरिइमिनाम॥ १२सताकोयहगुनप
रिनाम॥ दीपनपाचनेरचनभारी॥ दूनोंषाइभूषण
धिकारी॥ ७५॥ अथविसूचिका॥ दोहा॥ सूचीस
मवेदनकरेपाइअजोरनवाता॥ वेदबिचित्रविसू
चिकातीहीसोकहिजात॥ ७६॥ तरऊपरनिकसे
नहीअनवातकफदुष्ट॥ तासोकहतबिल्विकाक
हेवेदगुनपुष्ट॥ ७७॥ कूठचूकसेधोकलककरिके
चुरेवेतेला॥ षल्लीसूतबिसूचिकामिटेलगावेष
ल॥ ७८॥ सौठिमिस्वपीपरिहरदकंजविजोरौम
ल॥ अंजनकरीयेछाडिसौमिटैविसूचीसूत॥ ७९॥
वचअतीसभगराहरहंगइंदुजोआनि॥ सौवर
लोनमिताइकेचरमेकरीयेछानि॥ ८०॥ चरनतुस
केनीरसौघोरिजेवेवहषाड॥ सूतविसूचीअरुचि
अरुतुरतअजोरनजाइ॥ ८१॥ अथअमिदोगदेहा
ददथरामजुरकासभृमवातवेगअतोसार॥ किच
वोअजैपेटमेयहलुकिननिर्धार॥ ८२॥ करिदरि
षाकीछालिकेकाथमलितिलेतेल॥ षाडतीनिदि
नगिरिपरतोकचवायहषेल॥ ८३॥ बासेजत्वसो
वाटिकेधुरासानेकीप्रात॥ अजवाइनिगूरषाडके

सेवेकरेक मपात ८४ एसपलासके वीजुकेके मधु
 केसगषाड केविडगचरनसहितकमकी प्रोषदिअ
 इ ८५ अ पां रो दो स्वासकासपोरेनयन
 पोरेनषतनषाल बवनसोयथोरीअगिनिपाडुरे
 गकोषाल ८६ काथपियेदसमूलिकोसौठिकपर
 छनडारि अतोसारकफसोयजुकरेपांडुनिरवार
 ८७ केअफलाकेनीवरसकेगिलाइमधुमलि दोर
 हरदमधुप्रातहांषाडकामलेठलि ८८ रक्तीपित्त
 पचार तोछनकडुषारोगमलरसवहजा
 रत्तपित्त पित्तजरावतहधिरकोयहसुनिमेरमित ८९
 गुदमुषनासराहहीलेहहवारंबार निकसेतासे
 कहतेहेरकतपित्तनिरधार ९० फलकुलेरकेहर
 अरुअमरपकेषजूर दाषषाडजोसहतसोरकते
 पित्तकोरदरि ९१ षाडअरसेकोजुरससहतवरव
 रिडारि सेल्लिबुभावतअगिनित्योरकतपित्तको
 मारि ९२ चंदनउसीरलोदकमलके
 सरकमलमिगीबेलमोथाषाडहमिलाइले पाठ
 नागकेसरिमैटेनावीरेकरोधाअदोलेअतोसग
 टाइनमेपिसाइले दरिवाकोबकलामजीठछोटो
 लाइघोरसोतगुठलीअमहकीमोचरसजाइले
 जामुनिकोसारनीलकमलसमानभागआषदि
 पिसाइसवचरनकराइले ९३ चावरथा
 वनसहतमेतामेचरनसानि षाडप्रातहोकहत
 हेताकेगुननिबधानि ९४ रकतपित्तबुअरसम

द्रव्यामूरुजाडि॥ अतीसारग्रुच्छिरदिपुनियासोतु
 रतनसाइ॥ ६५॥ गरभगिरतयासौरहेअरुलोहथकिजाइ
 तातेचूरनवियनिकोंवहुहितदियौवताइ॥ ६६॥ अथदाइ
 होत॥ प्रानवाइऊपरजवेमिलिउदानसोजाइ॥ कंठना
 भिषेचनहृदयः तवेकासअधिकाइ॥ ६७॥ पंचमूलिको
 काथकरिपीपरिचूरननाइ॥ षाडप्रातउठितोतुरतवात
 कासमिटिजाइ॥ ६८॥ हररसौठिपीपरिमिचगुरभैराधि
 मिलाइ॥ दीपनपाचनकासहरगोलीदईवताइ॥ ६९॥
 मोथारोहिसकाइफरहरभारंगीलाइ॥ काकरासिगीसों
 दिवचदेवदारसुमिलाइ॥ ७०॥ धनापोपराउरिक्केकरि
 कादोहितुजानि॥ पीउवातकफकासकोंहोगसहनसों
 मानि॥ १ कंठरोगमुषरोगअरुसूलरोगअधिकार॥ हिका
 नुरअरुस्वासकोमारनकोसिरदार॥ २॥ जवाधारआधो
 करषआठकरषगुरडारि॥ गोलीमासेचारिभरिकरि
 सुषमंधारि॥ ३॥ एककरषलेपीपैरिमिचैकरषप्रमान॥
 दरिवाकेवकलाकहेकरषदोइसुनिदान॥ ४॥ गोलीकरपर
 भातवेजितनेहेसवकासा॥ यहतुमनिश्चेजानीयोतितनेह
 इनिगस॥ ५॥ सौरहमासेजाइफरसौरहवाकेफूल॥ सौर
 हमासेलोगलेयेहैवातकोमूल॥ ६॥ चारिटेकभरिसौठि
 लेभिभैमसाएक॥ मिथीचूरनसमकहोइहिविधिकस्यो
 विवेक॥ ७॥ कासस्वासपरमेहनुरअरुचिअगिनिअतिमंद
 ॥ ८॥ कनिगन॥ ९॥ नुरन॥ १०॥ फंदा॥ ११॥

घृत मिश्री पीपरि डारि मधुसौगोली बंधिकै
 ग्राधिक
 पारिपित्तेटारि १०
 कासजबबटतिहेतवउपजतिहेस्वास हिचकी
 याहीहेतसौतामधियाकोवास १० सौठिमिश्च
 पीपरिहरगोलीकरिमुषमेलि उदरगगिनिग
 रुकासपुनिस्वासरोगंदेठलि ११ कायकरेदस
 मूरिकोमेलोपहुकरमूल स्वासकासपथरीविथा
 सुत्तकरेनिरमूल १२ मोथासौठिहरगुरगोली
 धरिमुषनाइ एकवहरोराषिमुषस्वासकासनसि
 जाइ १३ कुहडाकीजरपीसिकेतातेजलसीपाउ
 स्वासकासदाहनमहातूनरतुरतनसाउ १४ आ
 देकोरसकाटिकेतामेसहतमिलाउ स्वासकास
 कफहरनकोयहजोषादेकिनसाउ १५
 ठिमिश्चपीपरैलीजो कांकरासिंगोत्रकुटादीनो
 जटामासीअरुत्रफलागानो भारंगोपचलोना
 सानो १६ पहुकरमूरकटाईधरो इनसवहीकेघ
 रनकरौ तातेपानीसौयहसाइ स्वासकासकफवा
 तनसाइ १७ गुरअरुकरुवोतेलतगरक
 वीसदिनसाइ यहनुमनिबुकरिजानीयोस्वासन
 फिरिनियराइ १८ पारेजोरगधिकर
 हागोविषमनसिलटंकटंकभरिसोधिजोषादिये
 लीजिये आठटंकमिश्चैलेएकएकमिश्चयोहा
 स्वरमैडारिसवचूरनयहकीजिये फिरिकेवकु

षट्कट्टकौमिलाइचूरनसीसीमामरुधरिपानसंग
 यहदीजिये। २ती एकस्वासकौकुठारकासस्वासकफ
 संनपातमोहऔरजूडीसौकीजिये। १९॥
 कालिदासः सारकबंधनउस्त्रगुरसीतलरुषीषाह।
 सीरोपानीदूधगरुधुवाघामवताइ। २०॥ सीसवोम
 लैबोबहुतराहदौरिवोगौरा। स्वासकासहिचकी
 निकेयेहेइतनेठोर। २१॥ सारका। मधुसीचरकेसंग
 पियेविजोरकोजुरस हिचकीजाइसुसंगगोषदिक
 रिदीनीसरसा। २२॥ दिहा। सोठिपीपेरेआवेरषइये
 मधुकेसंग। हिचकीकोयहदूसरीगोषदिकहीमनि
 ग। २३॥ सोठिभारंगीद्वेपिवेतोतेजलसौघोरि। गोष
 दिकहिदीनीसरसहिचकीडोरैतोरि। २४॥ अथषइ
 ग। अतिकफअतिसंभोगतेदुषीजुदुरवत्तगत
 स्वासकासपीडतमहात्वेहउगिलतजात। २५॥ मं
 दअगिनिजुरअरुत्रषामासपीतसितनेन। दीनद्वि
 रदिविस्वरबचनछईरोगइमिजेन। २६॥ जुरकेचूर
 नमेकह्योपहलजुतालीसादि। ताकीयाछयरोग
 मेकनीकेकरियेयादि। २७॥ षडसहतनेनीमिले
 नरचाटेजोकोरीजु। तोनहचितछयरोगकोसहज
 मिटावेषोजु। २८॥ चोपरी। जरगगेरुवाकीलेगा
 वे। मासेतीसहजुपिवावे। दूथटकाभरिता
 सुधिडोरै। षाइमहोनाभरिनिरधोरै। २९॥ वठती
 सोयहगोषदिषाइ। ३०

द्युष्टिवल्लभरुनोरोग छुडैरोगको यह है जोग ३०
 कोहरको वकला करे छुके वी जाले
 रगगेरुवाला इता इभरि पीसिले घांड सहत घृ
 तसंगरो ज उठि धा इये कास स्वास छय जा इरोग
 सब जा इये ३१ चूरन अमघध गुरु गुरु
 सहत दूध के संग घाड प्रात उठितो करे स्वास कास
 गुलंग ३२ लौंगे अंगरक पूरक मलगटा
 इन जीरो शोर उसीर लाइची भोथो दिमन जदामा सि
 कात गरवंस लेचन अरु वारो पीपरि अरु ककौल जो
 इफलत जनि रधारो लेदिनाग के सारि सार म मिश्री च
 रन अरु धसम गुनगन निधान चूरन क ह्यो लवंगा दिय
 ह्युनि परम ३३ रुचि उपजावे बहुत त्रुषावल
 करे अ अधिक पुनि वात पित्त कफ हरे हरे पीरुन
 सपुनिय हसुनि कंठ रोग हिय रोग का सहि च
 की विन सावे अती सार अरु स्वास तम क उर ह
 तहि भजावे संग्रहनी परमेव अरु गुल्म रोग
 यरोग वर यह घाड रोग सब हरन को लवंगा
 चूरन सुघर ३४
 अंधिकती लिए क सोधितो लेले पाणे अमृष
 लिए कती नियो सब निरधारो मटसिल तोले
 कडे टते लेले गुरधरु गुनतोलै ले सार सल
 धिसव इकत रकर काटि सुता वरि ससर

एवनाचारिदस इहभातिसिद्धियहहोतु
मुदेस्वरइहिनामरस ३४ रतीदोइकेतीनि
मिभ्रीसगषड्ये तवयारसकेसरससगुनयु
ननिवतईये वातपित्तकफजाइओरछुयरोगवि
करथरि नुरआदिकमिदिजाइमिटावतदानवयो
हरि सदायाहिसेवेजुनरुअनूपानसगप्रातनित
तनमधिनहोइगुजलकनसितवारहोइसुगिलइ
चित॥१३५॥ अथमृगंकरस॥ घनाहरी॥ सौनैके
तवकअरुपारोयेसमानदोऊदोऊकेसमानफेरिडा
रेभौतीअनिके पारेकेवरावरिलेगंधिकहुचोथे
हिसासाजीतामधिभिलाइदेइजानिके दिनएकव
स्वरमधिडारिभरदनकरेगोलावाधिधानतुससलि
लसोसानिके हडीयोमैनोनुभरेताकेमधि
गोलाधरे एकदिनाआचदेइहितुपहचानिके
इइ ३३॥ यहमृगंकरसपीपरेसहेतसंग
जवलेइतीनरतीभरितवडईरोगदूरिकरि
देइ ३७ संग्रहनीयासौमिटेमंदगगिनिमिदि
जाइसीतलहितअरुपित्तहरभादीमोपथ्यवत
इ ३८ इ श्रीगोस्वाजीजनद्वैतमहविरचि
यां पाठ्येत्तन्नामद्वितीयप्रकासर
लोहो॥ जीभदोषहियदोषतेज
रुसंतापत्रतीयासंनपातअरुदोषसोअरु

विरोगकहिदीय मिरचलाइचीजरिगुखलडिमिली
 कोलेइ यात्रोवदिसौतुरतहीअरुचिदुरिकरिदेइ ॥१॥
 मिरचचिरोजीजीरोदाषि तंतरीककोकरि
 अभिलाष गुरसोंचरदरिवाभेंडारि गोलीकरौतनक
 निरधारि ॥३॥ गोलीमुखभैराखियेहितचित
 जानिअपार ॥ अरुचिरोगयासोंमिटेयहकीनोनिरधार ॥
 ४॥ वारवारपानीपीयेत्प्रिनक्योइ
 होइ फिरिफिरिचाहेसलिलकौत्खाकहोयेसोइ ॥५॥
 मिश्रीखिलेदाषमधुइनमधिडारिखजूरे इनकोपानीपी
 यकौत्खाकरिदेदुरि ॥ गटाखीलअरुकूटमधुइनकोतु
 रतपिसाउ गोलीकरियायेवदनअस्यारोगमिटाउ ॥६॥
 वातपित्तकफतेवहुरिअरुब
 दोषवलपाइ ॥ स्तरोवसुदेयैवहुरिद्विरदिपाचविधि
 आइ ॥७॥ कौपरकंजापातलेनोनषटाईडारि वडेप्रा
 तहीघाइकेदीजेछरदिविडारि ॥ प्रथमलौ
 गकेसरनागलाइचीलेलावहु ॥ मिगीवैरकीवडुरिजा
 इइनिभाऊमिलावहु ॥ मोथागौरप्रयंगसेतचंदनडि
 निमधिधरु पीपरिखीलमिलाइकुरिताकोचूरनकरु
 मधुमिलाइ मिश्रीचतुरकरेभछचूरनसरस कफवा
 तपित्तउपजेप्रवलछरदिकरेनफिरिपरस २०
 लेजामुनिअरुआककेपातकाथकरवाइ सहतवी
 लचूरनमिलेद्विरदितु रतमिदिजाइ ॥१॥
 जानिपरेदुयसुषनहीपरेकाढसमेदह

तासोकही यदु मूरच्छा छहं विधिसो सुनिले ॥ १२ ॥ पं
षाजलसौ सीत्तिके सीतलमनिगनेहार ॥ कुसुमसुगंध
अनेकये मूरच्छाके उपचार ॥ १३ ॥ लोपुडी ॥ मिगीलेर
को गौर उसीर ॥ गजके सरिले मिले गौधीर ॥ पोप
रिसीतले जलसो पाउ ॥ विकट मूरच्छातुरतनसा
उ १४ ॥ दिहा ॥ पोपरकी मूरकनिके चोटे सह
तमिलाइ ॥ यो गौषदिसो मूरच्छानरको तुरतनसा
उ १५ ॥ मिरचकादि काको नासुदे मूदेनाक मुषकार
मूछितनरहि जाइये पखोहाइ जाठार ॥ १६ ॥ ल
रदाइ ॥ पितरकतसो मूरच्छातपान उपमाहाह
मकतुचावह करत हेतहा पितसमराह ॥ १७ ॥ देह
वपरिसधौते घृत मिश्री सह तुषवा म्माइ ॥ यो उड
रिके तुरत होदा हरो गमि टि जाइ ॥ १८ ॥ वासपातका
काथकरिसीतले ले मधुडारि ॥ रुधिर प्रनउप
जो मूरच्छा सुदेह विडारि ॥ १९ ॥ नलदह वंछना
पिपकमलसिसिरजलधार ॥ दाहइरतवेरन्स
हित सुदस्तनुनि विहार ॥ २० ॥ ल
दोषप्रमादा जाइक मत्तकरतु मनमोह बाधिय
ह म्मादइमिनामवतायोतोह ॥ २१ ॥ ल
मधकठलो गेहू जोर ॥ सौठिमिरचले पाण्डे
प्रमादा मरुसंवाहलो ॥ पादलाउ जे ज्वल
ली २२ ॥ चूरनइको केरेवन ॥ २३ ॥ ल
रनमाइ ॥

भावनादेश चूर्नमधिष्ठितसहस्रमिलाड
 नामरिचूर्नषाड २३ मास्यसोरहकरेप्रमानुषे
 वेकोयहकह्योसुजान बडेवुधिमनधीरजलह
 कुंराइसयाकोगुनकेह पाठकवित्तहजा नि
 जावे एकदिनामेयहगुनपावे २४ चतुरान य
 हचूर्नकह्यो सारसुतीइमिनामसुलह्यो
 धिउनमादनसाभेइ अपस्मारयासोहठिजाइ
 तेललगाइसरससरसोकोवाधिउता
 पार घाममारु फिरिचाभकेदेकरिलेलेफिरि
 रिमारे भातिभातिइशावेबंदीषानेसूनोरुषे
 उनमादोकेभलिकरनेकोवचनभायानकभाषे
 २७ ताकोतेकरेतलभरुपानीतासोतनछिरकावे
 जोसोकरेजतनबहुभातिनिगुनयहबेदबतावे
 बडीबडीभेदेताकोपुनिपुनिमारनधावे उनम
 दिनिकोतवपुनितनमनचितठिकानेजावे २८
 माहमगनमननिसिदिनर
 ह भूलिजाइवातेजेकहे दिषकोपकीबदतीकही
 अपस्मारकेलीलायही २९ पित्तलेजा
 वेपुष्पकोकुताकोउरकार ताकोधिसिअजउक
 रेअपस्मारदेटारि ३० कुताकोपित्तमितरइ
 तसो धौनीदेश अपस्मारकेहरनकोवहलोष
 दिकरिलेइ ३१ चूर्नबचकोकरि तसग
 षाइउठिजात अपस्मारमिटिजाइ पष्य
 धग्ररुभात ३२ जाठोजलसोबादिकेदिन

तीनिसोपीउ अपस्मारकरिदरिनरवहुतदिनालगुंजी
उ० अथवात्तव्याधिदोहा॥ हितुपाइअपनोकुपितवा
तगहतिजवअंग॥ तवपीडाइमिहोतिहेअेसीवातप्रसं
ग॥ ३६॥ उरदधिरहटीअंडजरअसगधरोहिसिओर
रासनिवीनकरेछुकेतेजानोयाठोर॥ ३७॥ इनकोका
थवनाइकेजरिहींगअरुनोनु॥ पीवतताकेतनरहेवा
तव्याधिहेकौना॥ ३८॥ कर्ननादिआदितवहुरितीनोप
होघाता॥ मानसतंभहरेहरषिषाइदिनाजोसाता॥ ३९॥
दुउदारकठसेरुवासोडिडारिकेंकाथ तेलजारिपीये
लगेतुरतवातकोहाथ॥ ४०॥ हींगत्रकुटुषटुकटुअम
लवेतकचूरविचारि॥ पादधनाअरुवोवईजाऊइनम
धिडारि॥ ४१॥ जवाघारसाजीसरसवचअजमोदल्या
उ० तंतरीषजीरोवहुरिपीपरामूरमिलाउ॥ ४२॥ सार
हररयेडारिकेंचूरनकरोवुकाश॥ स्वांसकासपलिहा
अरुचिस्रलवातमिटिजाइ॥ ४३॥ हृदयरोमथ
गलरोधअरुपांडुरोगदुषोतोजाइ॥ उदरबंद
अफरामिटेहिगुलादिघहमाइ॥ ४४॥ गाइमृत
मैमेलिकैतेलुअंडकोषाइ॥ ऊरुग्रहअरुग्रध
सोरोयुतरतमितिजाइ॥ ४५॥ जादेकोरसेतेलघ
तवीजप्ररसचूकाथिपोवेगुरडारिकेंकहीवेद
यहकक॥ ४६॥ सुल्मचककटिचकविधाउरुविधा
हेनपीर उदावनेअरुग्रहसीओषदिहेयाह॥

धीर ४५ पीजोपीपरिडारिकैदसमूलनिका
थु वातविद्याबहुमातिकीआदितछोडेसाथु
४६ रासनिपहलटकाभरिलेइपई
सापईसाभरियेदेइस्यामसिअंडजवासे
आनो देउदारलेइनमधिसानो ४७ वचक
चरसोठिअरुवासा हरखावलेकरेतमासा
पुननेवामाथासुभिलोइ सोफविचारोए
लादोइ ४८ गुरुगुरुअसगंधपुनिकानो ले
अतोसकिरवारेसानो पीपरिपोयावासोधा
ना दोइकटाईमोथासना सरससुतावरिइ
नमधिडारि वैदवनावेकाथुविचारि सोठिसं
गकेपीपरिसंग कादोषाअहोइतरंग जोगर
जगुगलसमषाइ अजमोदादितेलकेल्याइ
केअंडीकोतेलुमिलाइ अनूपानुयाकोयहअ
इ ५१ सकलअंगको कंपनसाइ पछुधातुकव
तीतिसुजाइ आमवातबहुके ग्रधासो अस
लीपदअपतानकनासो पर आतिविरधिसा
परासुकठोर जंघजानुमधिआदितजोर अ
कलिंगबंधामारोग रासिनादकोकरियेजे
ग ५३ देउदार रासनिअइसोठिगि
लोइपिसाइ सवसमगुगलल्याइकेवहइनि
माऊमिलाइ ५४ वातविद्यामस्तकविद्याष
भगदररोग यहगुगलषाअमिटेइनरोगनि

भोगापप॥ अथ तैलादि। लैगडिकनककनैरि
 अरुजाकपातकोरंगाधिनातुसाजलतेलसम
 ज्योतितेलकेसंगपथकेरंगयातेलकोमरदन
 वारंवार। वातविधावहविधिमिटेयहकीनो
 निर्धार। ५७॥ अथ तैलटकाचौसठिभरिलै
 करिपहलैसुधकरावै। कूटधतरैरासनिविष
 अरुचौषधंगलगावै। टकाटकाभरियेज्योष
 दिसवलेकैकलकवनावै। पीपरिमिश्चज्योस
 वचचित्रकवहुरिषषूदनित्वावै। पटाअंडकनै
 रिमजीठज्योरहेमासीत्रफलातेसो। देवदारअ
 रुलाधमिलावैरससोमिलवैबैसो। तैषनामवि
 सर्गबनावैबैदकह्योहेतेसो। याकेरहेलगाअेत
 नमेवातरोगवहकेसो। ५८॥ चोपइ। इरनीसे
 नावेलमिलाउ। पाउरनीवतहालेआउ। अरुप्र
 सारनीअसगंधजानो। दोइकटोईइनमधिसा
 रनौककईज्योरषिरहटीसोउ। पुनर्नवागुरुषुरु
 ३। दसफलयेज्योषदिलैलेइ। चारिदोनपा
 नीमधिदेइ। चरनएकज्योटेजलराषो। वहजल
 लेइतेलमधिनाषो। सोफसिलारससोधोनो
 तुदेवदारपुनिकहीयेतोनु। द्वयमासीलाउषिरह
 टीज्योरचंद्रतगरजानीयेठोरा। चातुरजातला
 इचौरासन पुन

६३ कूट सहित दूधै पल्ले उ इनको पीसिकलक
 करि देउ तेलमाऊवहकलकपचावे फेरिसुताव
 रिषोदिमगावे ६४ तेलवरावरिस्कबटवावे
 तेलमाऊवहलेइपचावे गाइकि डेरीदूधहिल्या
 वे तेलचौगुनोदूधपचावे ६५ पीवेपाइलगा
 वे तेलु नासुदेइयोकोयहषेलु घोरोहाथीना
 मसुकोऊ वातगह्योवहनीकोहोऊ ६६ हाथ
 पांउवेदनिकरिहाकी वातविथोदेतसिरताकी
 वातभेदेहेजितनेभारी तिनकोयहश्रीषदिनि
 धारी ६७ अंगअंगकेजितनेवात तिनकोयहश्री
 जोकरेनिपात वातविथाहानिकोषेलु यहजा
 नोनाराइनतेलु ६८
 तिलकोतेलसेरचारिलेमाटीटिष्ककीयाडारिसु
 धावे लैकरिआकधुतरौफगरासेहडिपातवका
 इनलावे अंडकेनेरिपातनिकोरससरभरि
 तेलपकावे अउगतेलवातकीलेहनिनासेजोन
 रअंगलगवे ६९
 गंधिकअरुहरतारसाधिपारोलेनोनो मारिलो
 हरजलेउलेहुतेसौकरिसोनो अरनीलेगडिह
 ररसुहागोत्रकुटादीजो लेगरिकोरसकाटि
 कदिनमरदनकीजो मुंडीसरसौएकदिनमर
 नकरिगोलीकरहु गुंजासमानदेवातकोसर

कुटुम्बैरोधरु॥७०॥सो॥ससनगुरवेदेवदार
 सोठिरुअंडमिलाइ।अनूपानगूगरमिलेदीजोका
 थपिवाइ॥७१॥अनूपानगूगरमिलेदीजोका
 रअवारकोइमिकरिडारतदुष्ट।अगडुवतजानेन
 हीटनउपजावतकुष्ट॥७२॥मंडिलहोरविसूचि
 काविकलगुरीयनिगोर।वातरकतलङ्घिनवि
 कटवेदकेहेतोठोर॥७३॥वातरकतजवअंगमेर
 हेबहुतदिनेछाइ।तववानरकोदेहमेदेसकोद
 उपजाइ॥७४॥अनूपानगूगरमिलेदीजोका
 इ।कुटकीवअलानवलमिलोइ।अरुमजीठलेकाथ
 पिवाइ।वातरकतअरुकोटनसोइ॥७५॥अनूपानगूगर
 अफलाभुनीठनीमछालिलेचितावरिदुअरुसोदो
 ऊहरदअंगिलोइलेमिलाइके।धेरुलालचंदनवि
 गइतोवचकिरवारोकुटकीमुरहरीसुल्पाइके।ससन
 रेशरनिविडंगजटाभासीपाटदातोनिपीपरि
 निसोतुल्यावेजाइके।मिरचजवासोकाकमाची
 परवरपातकुटिजोपदेवनाइकाथुयहपिवाइ
 के॥७६॥वातरकतकंडुधतरुधिरविकारअनेक।सि
 हअपाभाकोटकोकाथकल्लोयहएक॥७७॥नागवेलि
 अरुभालतीकनकपातहसलेइ।अोरमुरहरीकूठ
 अरुभटसिलुइनिमधिदेइ॥७८॥इनिमधिपारोमेलि
 केधोदोतेलमिलाइ।
 विस
 नाइ

तेललगोवैजंगमेयहगुनदयोवताइ ८
अधिकपवनतेरतजेवे
आऊंकफासयजाइ वहनारीसोपाइयेआ
मवातवहजाइ ८१ जानजंघाउरूमधिस
लहोइजवजोर आमवातलछिनकह्योय
हवेरनिजुकठोर ८२ रासिनिगुरेकेडज
२ देवदारसंगघाइ आमवातकटिसल्लगर
षोवैसोठिमिलाइ ८३ वातहाडगतिसंधि
गतिमंजागतिहेजेन जोषदिसोवहमिठे य
नरपोवेसुषवेने ८४ दूधसाथजोपीसिके
मिगीअंडकीघाइ आमवातकटिसल्लगर
गंधूसीजाइ ८५ मिगीअंडकीसोठिसम
घाइघाडेकेसंग तोनरहेनरेदेहेमैआमवा
तपरसंग ८६ आठटकाभरिसोठिध
दूधवतीसटकाभरि बीसटकाभरिघोउला
इतेहलैकसारकरि घाडगाटाईसेरघोरि
केपाकेवनावे टकाटकाभरिसोठिमिरवपी
परियेलावे तजपत्रजएलावदुरिपीसिडी
रिगतरीकरइ बलपुष्टिवरनजायुष्कर
आमवातजोषदिकरइ ८७
वातपित्तकफफेरिकफफेरिपित्तफिरि
वात आमसयेतिरदोषतेसल्लजाठकहिज

त टट ॥ अत्र नपचे जवस्युड
 तवसलदुषकोधाम। क्ररेवदमलमृतकोकेद्यो
 सलपरिनाम। टए। कंजासोचरसोठिअरुहोग
 समानमिताड। षाडगुनगुनेनीरसोवातसल
 मिटिजाड। ए०। चो०। ड०। तूमरपहलेहीगले
 ताजी सोधोसाहरिसोचरसाजी मिस्वह
 ररजमोदालेउ। पीपरिसोठिमिस्वफिरिदुउ
 पहकरमलसुइनमधिहातु। चूरनतो जोमा
 गनिसोतु तातेजलसोचरनघाड। सलअजीर
 नगुल्मनसाड। ए२। मिटेउदरवंदअरुगाउ अ
 फरामिटेपवनकोनाउ। तुंवरदियहचूरन
 नयो योकोगुनेओसोकहिदयो। ए०। ड०।
 सोठिहोगसोचरसरससोठिसलिलसोधाड
 मिटेपोरकफवातेकोओरसूचिकाजाड। ए०।
 धोनतुसाजलडारिपीसितिल्ली जोधे
 सेकिआगिसौनेकपोटरीकीनीधे वारवारवह
 पोटरिकोफरेपेटपर सलवियाअतिजारतुर
 तनरदरकर। ए०। ड०। पोसिछाछिसोमेनहर
 दुडीमोअमरिराष तुरतवेदनासलकीमिटे
 जातुयहभाषु पोसिछाछेसोवेलतिलअंउमल
 कारिके फिरपेटपरपोटरोहरिहसलअने
 का ए०। ड०। हो। अत्रिकेअगिनिनुला।
 थ ललवदनाउउकीतरतका।

कंजाकीमिगोभुजेफेरिआगिभेआपु ताकेषा
 पेटकोमिटेसूतसंताप एष मखोलोहपीपरि
 हरषाडसहतसोचाटि विद्यासूतपरिनामकी
 सातदिनामेकाटि २०० कटोतिलगुरसोठिकोद
 धमाऊकरिषाड सूतवेदनापेटकीतुरतफुरतपि
 टिजाड १ अंडचित्तवारिगुरुपुननेवापुनिल
 ड झापिवारिकेभस्मकरिसोथामेफिरिदेइ तात
 पानीमेपियेचरनसरसवनाइ विकटसूतपरि
 नामसोथाचरनेसोजाइ २ सोधापीप
 रिसेठिमिरचविषल्पाइये गंधिककोडीराषपा
 रोमिलाइये नागबल्लिरसडारिपीसिकरीयोवरी
 दोइरतीभरिषाडसूतगजकेसरी ३

हृदयनाभिकेवीचेमेचपत्वगाठजोहोइ स
 धिरदोषतेपाचविधिगुलमकहावेसोइ ५
 घृतकुमारिकलिइसरुहजाठटकाभरि तामेगुर
 प्राचीनसेरपाचकलेकेधरि पीचसेरपुनिकोरट
 काद्वादसमरिपानी घृतकेवासनमाऊडारिइक
 ठीकरिसानी तीनसेरचोषासहितचारिटकाभ
 रिजेरसुनि यामधिमिलाइमिलकेवहरिजे
 जोषदितलेउगुनि ६ कुटुकनफलकोरसार
 माल्योजजवाइन मोथावाइबिरंगचित्तवारिजो
 रवताइन टकाचारिभरिएकरकजोषदियेनाष
 इ यहजोषदिकरिएकरकमहीनाभरिवाषहु
 गत्वपाडकंडुजठस्वासकासेपलिहासरस

चोपरी दोइ टका भरि वचलै जाउ तीन टका भरि
 हरि मिलाउ चारि टका भरि सो ठिसु संगु ट
 का छह भरि वाइ विरंग ॥ ११ ॥ हो गटका भरि डारो
 वामे जाउ टका भरि पीपरि वामे ॥ पाचु टका भरि
 चिक्क भाषो ॥ टका सात मजवाइ निराषो ॥ ११ ॥ कू
 टिका निचूरन करवावे ताते जलके मद्द सो पावे
 गुल्म मस्त स्वास मरुकास ॥ जरुसे ग्रह नो रहे न
 पास ॥ १० ॥ हो गसो ठिराई सरसति तरी के ग्रह नो
 नु यह चरन भषु गुल्म मन रट्टि करे तको न ॥ ११ ॥ पा
 रो गंधिक पीपरे हरि वरावरिलेइ किरवारे के का
 य सो यह फिरि घोटने देइ ॥ १२ ॥ फिरि थहरिके दूध
 सो मरदन करे वनाइ सहत संगमा से भयो फिरि
 मरय हरि सषाड ॥ १३ ॥ गुल्म जलंधर वियमिको मिटे
 पथ्य रधिभात अनूपान रमिली पनो यह पंडित
 को वात ॥ १४ ॥ तपु रुरे ॥ २ ॥ सुसुषाड के दोष जव
 निरगुन हिय मधिजात वीरकरे हियता हि बुधह
 दय रोगक हिजात ॥ १५ ॥ के घृत सो के दूध सो के जल
 ग्रसोषाड केो हातरकी छालि सो हृदय रोग मि
 टि जाइ ॥ १६ ॥ चरन पुडकर मूलको सहत संगनर
 चारि स्वासका सदा रुन महा हृदय रोगको काटि

मिलिमठामधिघ्ननघावेः३०से
 गिनिजाइपलिहाग्नरुचिजकतको
 आहिः३२रोगतेपावैचैनवज्रीछारवतावैचैन
 ३३कायुयुरुवृरुबीजकोजवाघारजुतलेइ॥मुत्र
 कछअतिजोरहताहिदरिकरिदेइ॥३४चौपइ॥
 पीपरिच्योरसिलाजितलीजे॥अरुपोषानभेदपुनि
 दोजे॥मेलिलाइचीचूरनकरो॥चावरधोवननीरले
 धरो॥तापानीमैयुरवेघोरिवाहीमैयेचूरनवोरि॥यावि
 धिसोयहचूरनघाइ॥मुत्रकछतेकछूनडराइ॥३५
 दोजा॥जवाघारमित्रीसरसदोउलेइसमानेमुत्र
 कछकोयहकहीच्योषदिषाइसुजान॥३७तनक
 युनुयनोदुधकरिषाइलेइयुरमेलि॥मुत्रकछअरु
 स्मरीवातरोगदेठेलि॥३८॥छपेभंडारपातफले
 फलमूलजुतपाचसेरसबलाइयुरुयुरुच्योदिज
 रिजलपाचसेरतवसवासेरजलडारिषांडदेसेर
 श्रीधशत्रुघोरिमंदकरिष्वांच्योदिवहनरसुपाक
 करुजवाघारसंठीमिरचंपीपरिनागुकेसरिसफ
 लकोहाइनेइचीजाइफलत्रपुसु

षडिसवुडारिफेरिअवलेहवनावहु चिकनीहडोया
 लाइधरेअवलेहविचकेन टकाएकभरिरेजु
 प्रातउठिकरेजुभकेन मूत्रककदाहअरुअस्म
 रीरुधिरमेदमधुमेहअरु मुत्रककअरुमत्रको
 रोगताहिनरदूरिकरु ४० सरकंडाकुसकासअ
 रुऊषादाभयोपाच पित्तमुत्रकेकककोपीयोय
 हहेसाच ४१ इनहीकोकरिकलकअवपाचदूध
 मेडारि लोहगिरनजुलिगतेसोऊदेकिनटारि
 ४२ नयनरुअरेभाषानामयवरो यहरोकि
 केमतेकोकटिअरुवसनिमजार करेवेदनाअरु
 मरीवहजानोनिरधार ४३ मेदअंतपाषानको
 काथसिल्वजितघांड डारिपियेतोपित्तकीक
 रअस्मरीघांड ४४ षाडकाटिरसकेथकोजवाभा
 रगुरडारि मुत्रबंधअरुसकंगदेअस्मरीटारि
 ४५ मेदअंतपाषानअडजरलाइये ता
 लवुषारोकोमूलसुवरनालाइये अण्टिकटाइदे
 ऊगुरुधुरुसगदही देहिअस्मरीमूत्रवदओष
 दिकही ४६ देहा धानतुसाकेनीरसोघोरिद
 ररगुरघाड विकटअस्मरीलिंगकीतुरतविदा
 हेजाइ ४७ पथरीअैसेजतनसोजवनहीमिटे
 निदान तवकोटेवहजतनसोसर्थायाचतुरसुज
 नु ४८ अयभरवेदादिरा जायाकहेअह
 पित्तसोदसकफतेतेसाध्य चारिवाततेहोतमेते

रो घांङ्गटाईसेरसुभघोरिवनावैपाकजव
 तामधिकसारडारोवहरिजेजाषदितेकहत
 सब ५७ मोथाचंदनेत्रकुटनागकेसरिजव
 राजरुचाहवेरकामिगीदोइजोरकोसुधिक
 रु तजपत्रजग्ररुधनालाइचीलेइजाइफूर
 वेसलोचनालोगसिघोरचूरनकारनरलि
 उसवेद्वैकरषडारिजावेरकोजुरसरस
 रिसुतावरिजजलरसकरिफिरिगतरीक
 सरस ५८ वाइपाकपरभातजाइजोरनजु
 तजितनु जमलपितत्ररुपितजाइमंदागि
 नियहभनु आषिनाकमुषकंठरुधिरमिदि
 जाइतेतछन पुष्टहोइवलहोइकहतइहभा
 तिवचनमुनि जाइरोगपरमेवसववटेधातुयोव
 टतधनु त्रीयरोगजाइइहविधिकहतपुगी
 गुनवैद्यजन ५९ प्रतिरुपाशेपाका
 पारोअभ्रकवंगसारमास्योसवलइये
 मरिछालिलाइचीआवरोदइये तालवुष
 अरुकपूरइनिमाऊमिलावहु औरजाइ
 पीसिडारिइहमधिधिसावहु रसपरमेवकुड
 रग्रहइमासेयासहतसो वांकेप्रमेहनेहोइ
 तेतुरतजाइमुनिकहतयो ६०
 दिनसोवैनचलेफिरैमधुरअंनररु

इ. अरु कफकारकषाडवोमेदरोगग्रधिकारः ६३ उ
 दरपोटकचमधिबंटेमासबहुतयहभेदबलत
 तराह्यटवहतताहिकहतहेमेदर. प्रातबुरा
 बरिसहतजलपियेमुटाईजाइ. माडपियेकेभ
 त्कोतातोआषदिआइ. ६३. सतुवाद्यधिकेनीर
 सोपियेघोरिनररोजु. तोनिहचेयहजानियेमित
 मेदकोषाजु. ६४. वेलपत्रकोरसपियेकृटिवस्वसे
 छानि. मिदरोगदुरवासनामितेरोगयहजानि.
 ६५. अरि. दाहहरदतिलकटकचूरपिसाइये
 सरसोहरमजीठमोथाहिमिलाइये. आमह
 लिपिसवाइउवटनौकीजीये. मिदरोगदुरगंधि
 षाइचिरुजीजीये. ६६. अथ. लोथ. दोह. वातब
 हिरीनसनमैल्पाइकरतकफपित. दोषविषग्र
 रुचोटकरतसोथनौमित. ६७. गुरपीपरिअर
 सोठिकोचूरनकारिकेषाइ. मिटेअजीरनआंवअ
 रसुलसोथमिटिजाइ. ६८. गुरगादोगुरसो
 ठिकिगुरहररेषाचटती. सोरहमासेजादितक
 सीनिकलोवटती. पंद्रहदिनकेतीसदिनानरसे
 वनकरयेयो. सोथकठमुषसुलरोगतेतनकनड
 शयो. स्वासकासपोनसगरसजुरग्रहनीअरु
 घातघद कफकेबिकारजेतेकहतितनेस्वये
 करेद. ६९. अथ. पीपरिसोठिकटाइचित
 वरिमोथा. मगाइकेजीरकप्तानो.

रोगजपीपरिकटिसुवेकपूरा म च

नैलेयहतातेसंपानीमे क

नो सौष्ठविकारके टारनको

षदिजानो ७० वात

पित्तकफमेदग्रहमूत्रहधिरवदिज्ञात अंडव

धिकोमातविधिपवमकरतकहजात ७१

चंदनजाठोअरुपदमाष नीलकमलउर

इजरभाष पीसिदूधसौलेपनकरे अंडवधि

बुनदाहनिहरे ७२ स्पामसिगुरवेगुस

बुरुजागेरासनिअंड अंडतिलजुतकाथलेजो

तवृद्धिकरुषंड ७३

संधिमधिदोषतेजवहिसौथकहुहोइ वृधि

नामतासौथकोकहतमुनीस्वरत्नोइ ७४ पीप

रिसौधोडारिकेहरे पिठीकरवाइ भंजिअंड

केतलमेषाइवृधिमिटिजाइ ७५ तुरतमकउ

वउदरकोफारिवीठिकटवाइ लेपनुकरेयेज

तनसौवृधिरोगतवजाइ ७५ देवजागतेवृधि

जोपकेवेदसिरदार तोयहचौरफिरिकेरेवन

केसोउपचार ७६ माससौथ

हेकंठमधिलटेकेअंडसमान केछोटोकेअति

वडोयहगलगंडप्रमान ७५ वातगादिभवद

एहेदूषमासनसमेद गोठिगोऊचीकुरेग्रंथि

विथोविनुमेद ७७

रेसमवहुतगाठिहोइ निरधार कंधकंठकटि

आदिमेऽं डमालसुविचारा ७७ ॥ सिसुमूरुग्रहस
हजनौनीनौकेलेवीजा सरसौजोग्रंसीवहरिये
चूरनगहिकीजा ८० ॥ पीसिमठामेलेपकरिग्रंथिः
मितेसुविवेकाऽं डमालगलगंडकोयहगोषदिहे
एकाऽं डमालपद ॥ दोहा ॥ सोथुहोइकफमे
दसौपाइकानकरेनेनाचतुरेवेदकहिदेतयहअश्ली
पदलविज्ञेन ८२ ॥ सरसौलेगरिसहजनौपुनरुचन
वाग्रुऽं डपीसिधरेलेपुकरिअश्लीपदकरिष
डा ८३ ॥ विद्विरो ॥ वातपित्तकफरुधिरअस
वरनदोषसुमृत्तालोहविद्विधीवीयकुचनिगुल्म
सुविद्विधिसूत्ता ८४ ॥ जोगेहंअरुमृगयणीसिप्रथम
उसेइलेपकरेविद्विधिपकितुरतदूरिकरिदेइ ८५ ॥
एकठोरतनमेकहेसोथुहोइसिरदार ८६ ॥ पूर
वलद्विनजानीयेवनकोयहनिरधार ८७ ॥ वातपित्त
त्रयदोषकफअंगतुचाइतिपांच ॥ गोरुहोतुफिरि
धिरनेवनहविधियहसांचा ८८ ॥ तलघीवसोसा
निकैसत्तवातप्रकराइवाधैपकिआवैषतागोरुसो
थुमिठिजाइ ८९ ॥ वरकुमरेणकरिवहरिपीपरवक
लावेत ॥ घीवसहितवनसोथकोयहगोषदिक
हनेदीन ९० ॥ पारोगंधिकयेसमदोडा
मुरदासंघुदोइसमवोकलेइकवीलातीनिसमा
न हरीयाथुथोतनकप्रमान ९१ ॥ घीवचौगुनेद
रनताते ॥ वरसोथकोगोरुनथाते ९२ ॥

शोषदिषांशे तेवनमिते मलययहपांशे ११
 मांतिमांतिकीधारके मांतिमांति
 हथियार मांतिमांतिके होतै हतिनके यावत्पा
 २ १२ सद्योवनलछिनकद्योयाविधिबिरचिबि
 चार अबतिनिके हो कहतु हो मांतिमांति उपच
 ३ पहले घाडले घाउप डारा सोसा
 जे मेदात्तावे बहरिसा ४ जे लोडत
 तीकरे सुकता सोकरवाये ५ दिने नुपुट
 शियाकरिसिक्वावे करे ६ अथधिवडुरिया
 घाडले पावे नदष याभाति ७ कुकीये मिते पीर ८
 रषपावे सुसुष ९ दारु हरद्वजरुते ल
 पचावे तेलुकवीला दोइमिलावे तेलद्वरसके
 येसकजानो वनषोवनशोषदिये मानो १०
 जाठोकुटकीजरुहरदकंजाके फलपात जा
 तीपरवरनीवके पातमेने कहिजात ११ द्रुतमे शो
 षदिमे लियेनीके मलमवनाइ पीरमे टिया सो
 तुरतपरिश्रावै वहघाड १२
 इटकाठपाथरलेगे फटे मासजरुघाल सा
 यविदीरनाम वृनलछिनकहुततकाल १३
 फद्योघावलषिप्रथमही सीचे सीतलनीर वा
 धेकीचलपटिके मिते प्रवलतनपीर १४ चा
 वरघृतसत घोटसोपीसिलेपुकरवाउ जाठो
 क्कामजीठये घावलेपकोल्पाउ २००

अथिदंश्याः धां इ फूलचूरनकरैः अरसीतेलुमि
लाइ वारवारलेपनकरैः अग्निदग्धवनजाइः
त्रफलांलेइजराइके अरुअरसीकोतेलु याकोर
लेपुकरै सहज अग्निदग्धवनठलु ॥ अथ
अदरा गुदा अडेके वीचही पकि फोरां मिटि जा
इ पीरके अति पाच विधिये हे भगंदर आइं
पुनरनवागुरवेव हरिसौं ठि इ ट वर पाता पीसि
लगाव भगंदरहितो फोरा मिटि जात ॥ १४ ॥ तिल
मजीठसेधो सहत गजके सरिसुनिसोत्ता धृत
दातौ निलगाव हे फिरिन भगंदर होत्ता पाकर
हारी दातौ निअरु कुरौ हरद अरु आका बीज पर
रके रवी अरु नोन तेल करुपाका ॥ १५ ॥ इनको कल
के वनाइके तेल वनावे अने तेल लगा अने ते मि
टे रोग भगंदर चैन ॥ १६ ॥ अथ उदरे सफुर ॥ हा
थदातनषके लगे जो निदोषते पांच ॥ विनादोष
उपदं सये होत लिंग विच पांच ॥ १७ ॥ धोवे त्रफला
काथसां भगराकोर सडा रि ॥ १८ ॥ षता लिंगके दारिक
रि अरु फिरंग दे टारि ॥ १९ ॥ त्रफला डारिक राह
भे सहत संग करिषाष ॥ करे लेप उपदंसको यह
मुनी सगन भाषा ॥ २० ॥ कोहांक जानी ववर जा मुनि
सा लह पात ॥ तेल पांचे कलक करिया को गुन कहि
जात ॥ २१ ॥ दाह पांक अरु पीर जुंते हे उपदंस सुदो

पारोमिरचेसोवा मस्तिगीककरकराणुनि
 छठइवाइ विरंगलेइलवतीनितीनिसुनि ले
 लवाचालीसदोइअगरेतहांडारदु
 अजमोदइतिकुपुनिगुरनिरधारदु करिगा
 देकर्मभरिषाइकईसदिनेने मपर ॥ १६ ॥
 रावदुरिनरमिटावउपदेसजर ॥ १७ ॥

प्र
 पारोमिगोशेइइरकराजधेवतपरका ३३०

मुंशियासवरीदेहमेकनिकसेषाजुस
 मान गरनलमैपीडाकेरेवहविसर्पपरवा
 न १४ अगिनिजेरेकेसेपरेफोराअरुजुरेहो
 इ क्वहसवरीदेहमेरकतेपित्ततसाइ १५
 जाठेचंदनलाइचीतगरहरदुलेदोइ मासी
 कलासिरसकोकूठसुवारोसाइ १६ करेले
 पुघतडारिकेघतादाहजुरजाइ जोषादिजो
 रकहीसरस्यहविसर्पकोअइ १७
 गुरवेमोथापस्वरपान घेररुसोलेइसुजा
 न लेसुतोनिअरुकारोवेत नीमपातदोउहर
 दोलेत इनिकोकादोषाइबनाइ फोरकोदु
 धाजुमिदिजाइ जाइसीतलारोगविसर्प
 सीतपित्तअरुजुरेकोदपे २० अफलानीमचि
 राइतोचंदनकुटकीत्पाउ अरुपरवरकेपात
 वासाअनिमिताउ २१ येजोषादिसवुषाइ
 केकरिकेइनकोकाथु कंडदादुविसर्पजुर
 अषाकोकरिहाथं २२

॥ २३ ॥ दोषकोपकरिनस
 निमेषहलसौथुउपजाइ शोरासमकीराकटे
 उखदरोगवहजाइ २३ गाइमृतसोपीसिके
 वीजववरत्नगाउ रोगनहरुवासोथुअरुपी
 रातुरतनसाउ २४ घीउगाइकोलाइकेतीनि
 दिनफिरिषाश्लैगडिकेरसतीनिदिनरोगन
 हरुवाजाइ २५ ॥ चोपडी वीठकवृतरकीले
 जाउ तांमैथोरौसहतमिलताउगोलीवाधिली
 लिलेताहि रोगनहरुवाविदाकराइ २६ ॥ २७ ॥
 फुरीयाहोइमसूरसमवहमसूरलिकाजानिहा
 गअंगकंडुअरतिभ्रमजुरपहलवषानि २७ सी
 तलजलजमलीहरदपियोपहलहीजानिता
 केषाअसीतलाकटेनयहलेमानि २८ वेत्ववे
 तकोकाथुकरिवासीचेतमआरापीवेताहिम
 सरिकाहोइनयहनिरधार २९ ॥ ३० ॥
 यहजापकरिपूजावारंवार एकसीतलाकोक
 है यहीवडोउपचार ३० जेमसरिकारोगको
 कहपहलउपचार सकलसीतामेदकोतेजानो
 निरधार ३१ जावेजेवमसरिकाचंदेताहिजुर
 जानि चीजालेसागोनिकोसीतलजलकरिया
 नि ३१ यातेतेजुचलेनकहुसूइमफुरीयाहो
 इ इनकहशोषदियहसरसकहीमुनीस्वरसा
 ३२

छाडे मंगल गीत और वाजे नव नौ वै धा
एव स्तर हों इ और नूतनत जिडारे लीपे पोते नही
नही वदुरा सो जोरे जाधर वरुवार हेता धर मै ये
बात सब न करि विचार न रत व करे हो इ ना इ नीरे
गजव ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००
परि श्रम हो इ न घा इ प चा व ही घा टी कर ३
उकार सु आ व डी अरु चिक ड अरु दा ह सु व दूत
व घानी ये अरु न पित्त इ मि रोग सु ल छिन
नी ये ३३ लेक डुडा पर पक छालि व ती स ट
का भरि डारि से र छु ह नी र चूरि ले मं द आ च क
रि वा कौ करे क सा र डारि गा इ कौ घी उ त व
न री य र ग री भ री सो र ह ट का सु स व गा ४
पी सि अरु डारि गा इ कौ दू ध पु नि करी ये क
इ मि ज त न सो ज रे न व ह य ह सी ष सु नि ३४ पा
च से र गो दू ध सि ता पे सा चो स ठि भरि डारै हो इ
सा र पा ग प ह ले या कौ करि त ज प च ज अरु ध ना
प रा चं द न ए ला मो ष्या दा ष क चूर सि धारै
मे ला अरु उ सी र चूर न करे पे सा पे सा भरि सक
ये डारि वा धि गो ली कर डु करि सी त ल भरि एक प
ल ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००
ह क हे अ सा ध से व न ते या पा क के हो इ ना इ व
ह सा ध ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

रुषांडा॥ मधुसोचूरनघाडयह अरुनपित्तकरि
 भाडा॥ ३७॥ गुरपीपरिअरुद्धसोषइयेघाड
 पचाइ॥ किगुरकुहडाघाडकेषांडावरेघाड
 ३८॥ मधुउररोगा॥ सीतेपित्ततेदहमेपर
 ददोरजोरो॥ कंडजिमिकोटेवररोगउदर
 रकठोरु॥ अजेवाइनिमैथीसगाहरदक
 लौजीदेउ॥ अरुमिरेचैयेगोषदेटकाटका
 भरिलेउ॥ ४०॥ गंधिकदोइटकाभस्त्रौलीजे
 सुद्धकराइ॥ चूरनकरिगोलीकरौआदेको
 रसनाइ॥ ४१॥ रोजअधेलाएकभरिगोलीघा
 उठिप्रात॥ जानैगोनरकेसहुरोगउदरइजुजा
 त॥ ४२॥ सोधोघृततन्चुपरिकेगोदेअवरला
 ल॥ सोवेरोगउदरकेमिटेददोराघाल॥ ४३॥
 सोधोघृतगेरुसरसअरुकसमकेफूल॥ करेउ
 धटनोतौमिटेरकतपितीयहसुले॥ ४४॥ गुर
 अजमोदकटिकेतनकुडारिकटलेलु॥ घाड
 तुरतताकीमिटेरकतपितीयहसुले॥ ४५॥
 अण्णातजाहारअमघामन्निरे
 पांनि॥ कोटअठारहभातिकोइनवातनिते
 ४६॥ सरसोकंजाहरहरद

कठलाइचीवाइविरंग सामसिसौफचिताव
रिसंग जलदोतोनिरसोतपिसावे करैलेपुय
हकोटनसावे ४६ दोनएकत्रफलीनेलकर
दससोभिलवातामधिधरे वहजलजोटेत
वलगुजेसो चौथोहिसारहवहसेसो ४७
तामधिदसपल्लगालडारे दसपल्लघाडतह
निरधारे एकटकाभरिवुक्चुचीडारि जौरजो
षेदेयेनिरधारि ४९ नीमसुषेरइशोरनवीजो
दुहरदीचित्रकलेतीजो हररमजीठजोरसुस
२ भारेगीजोरनिरधार ५० पेसापेसाभरि
यलेउ चूरनकरियाजलमेदेउ यसकाटे
वेदसुजान गालीवाधिवेरपस्थानपर गाली
घाडएकउठिप्रात बहुतभातिकेकोदनसात
यहसर्वगसुंदरीवरी कोदनिकाजमुनीस्वरक
री पर लैगडिभाकमकारि
अरुसरफोकामरुअंड इरनीछोकरी हीसिअ
स्थामधतरोषंड इनकोवकलालाइकुडातमा
ऊसुषवाइ तेलजत्रपातालसोलेइफरिनेक
नसाइ ५४ मासभरियहतेलनरगुनेचासदि
नघाड मिटेकोदयासोतुरतदिवाटेहहेजाइ
५५ पलभरिगंधिकपलभरिपारे मर्योसार
पलभरिनिरधारे चौसठिपलघृततामे
उ पलभरिगरलालसुदेउ ५६ वफलाली
जोअरुपलतीन लेइवकाइनिपलभरिवीनि

५७. चोसठिपलकजाकेवो

याको

गलितग्राहि

एसवजाइ कोटकठारनामरसग्राइ थक
हवावध मावादाइ वाग जचरमी दोहा

संग ६० किरवारी
करवोतेलपवारके

६१ येजोषदिसवपीसिके

पिठीसमानवनाइ करेउवटनोदेहमेपामा
दिकमिदिजाइ ६२ कटावीजपवारकेजरुम
रकेवीज मठामेलिसवपीसिकेपिठीतुल्पकरि
६३ जोषदिपिसिकेउवटनोकरेजंगयह
पास सिहवाग्रादिकदाइकोदरिकरेततकाले
६४ गुंजाचित्रकमूलसंघकीराषहरदपु
नि सैहडिदधकयेऊवीजगरुदूवहररसुनि

इमोनसोधोजुलगावे तरऊपरधरिपत्रएकदि
 नरातिधरावे हरतालपत्रद्वेगुनेफिरिनिबुवाके
 रसडारितव करिचंद्रहीनघुटकाइअतिलपटा
 वेतवपत्रसव ६६ कपरोमेधरिपत्रगेसीवहरि
 वनावे कपरोटीइमिसातगेदक्षारकरवावे
 सुषडगेदकरिगडागाचेदेवहुतपकावे स्पाम
 गसोतनिकसाइपोसिवहचूनकरावे दोइरती
 भरिचूनबेहमिश्रीमासेचारिभरि यहसाइआत
 अठिपथ्यजुतवारिपीपरेडारिकरि ६७
 वातरक्तमंडलवहरिदादुषाजुउपदंस रक्त
 विकारविसर्पकोयासोरहेनअंस ति गो
 मीना न ट र तं वा इ ल
 ना च यो का प्र सि रो दो र
 रजवृत्तआधासिसीविमिहोइसितवार सह
 जपीरजादिककंहसिरकेरोगअपार १ मीसिले
 गावेछाछिसोकूठअंडकोमूल पदुपकितरुम
 चकुदकेमिटेमूडकोसूल २ केसारिघृतमेभुजि
 केतामधिमिश्रीडारि घोरिदधमेनासुदेयेयुन
 पहलविचारि ३ नाककाभ्रमोहेनघनमूडस
 लसकठोर सूरजवृत्तआधासिसीमिटेपवने
 जोर ४ जादोमोथापीपरेसोठिजुसोफउसा
 गटापीसिजललेपुकरितुरतमिटेसिरपी ५

॥ इनके
भंग ॥ ही चौपड़ी ॥ व
लाउ ॥ तिनको कूटि सु रस

॥ ७ ॥ दोहा ॥

पुण्यनक्षरोग ॥

॥ ४ ॥ गोरिले ॥

॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥
॥ ११ ॥
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥
॥ १६ ॥
॥ १७ ॥
॥ १८ ॥
॥ १९ ॥
॥ २० ॥
॥ २१ ॥
॥ २२ ॥
॥ २३ ॥
॥ २४ ॥
॥ २५ ॥
॥ २६ ॥
॥ २७ ॥
॥ २८ ॥
॥ २९ ॥
॥ ३० ॥

॥ एक के जाती के पात

॥ ११ ॥ दोहा ॥ जादोगुरू ॥

॥ सकल नैन को रोग मिटावे ॥ १२ ॥
॥ और रोग उपजे नही उपजे सो न सिजात ॥
॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥

॥ नरति भंरनेन को दारि ॥ १४ ॥ सीयेनाक
॥ सो पात उदिकि मलुसल्लिल नरकोड ॥
॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥

संगसानिकैत्रफलाचूरनवाड। चाकरछाडतहीनधन
नयनरोगलोजात्र १६। आजैवरकेदधसोपीसिक
पूरभीमसेन। फुलीमिटे छोटीवडी अरुपावेनरयेन।
१७। पीपरित्रफलालोद अरुलायसु सोधौ नौतु धि
सिभगराकेरंगसों करिगोलीनरतौन १८ धिसिगो
ली अंजनकरेयेयुनसरसविचारि। तिमरिकाचकां
डफुलीनयनरोगदेठारि १९।

दुष्टपवनकफसहितकरुकानमैलकोपो
ष। पाकआवअरुवधिरतासूलकरतयेदोष।
२०। पकेपकेआच्छैसुंदरसेआकपातद
सवारहलावडु। घीक्चुपरितिनिपैअगारधरिपा
तसुमंदमंदसिकवावडु। २१। मीडिमीडियेपातका
दिरसकांनभाऊफिरिफिरिनिचुरावडु। कानसूलया
हीअोषदिसोप्रबलवेदनासहितमिटावडु। २२।
दोरा। तुरतसौरिअरुहीगसोसिद्धसुसरसोते
ल सूलवधिरतानादयेहरेकानकोमैल २३।
२४। समदफेनपिसवाडुआरिभुरकनीकानमें पी
वुकानकीनाइअधियारोअोभांनते २५।
सूरजमुषीसिंदरीयासूललागलीनीर बुकुटकान
कीकमिहरेयेअोषदिअरुपीर २६।
जरिवौलोडुपीवुकोपीनसअरसविचार रोग
होइइमिनाकको सुनीयोअतनविचारि २७।

श्रीगणेशाय नमः अथ वैद्य मनोत्सव लिख्यते ॥ १ ॥
 ॥ ॥ सिवसुतप्रनवो सारदारिद्रिसिद्धिनिन्दे अकुमति
 विनासनसुमतिकरं भंगलसुदितकरे ॥ १ ॥ अलषअमृ
 प्रतिअलषगति किनहुनपायोपार ॥ जोरिजुगलकरकवि
 कहेदेउदानमति सार ॥ २ ॥ विद्यग्रंथसवमथनकरिओस
 भाषाआन ॥ अर्थदिषायोप्रगटकरिओषदिशेगनिदान
 अमममतिअल्पजुकहतुहोकविमतिपरमअगाधा ॥ ३ ॥
 गमचिकित्साकहतुहोछमिजुसकअपराध ॥ ४ ॥ वैद्यम
 नोत्सवनामधरिदेषिग्रंथसुप्रकासाकिसराजसुतनेनसुप्र
 भाषाकीयोविलासा ॥ ५ ॥ प्रथमनसालच्छिनकहेदेशिग्रं
 थमति सोड ॥ फुलिआनोंअनुभावहोनेसीमममतिहोइ
 अथनाडीपरो ॥ ६ ॥ करुंगुष्टामूलहीरेषहनसा
 कर जानहुसुषदुषजीवकोपंडितकरहुविचार ॥
 ७ ॥ अदिपित्तपुनिमध्यकफअंतपवनसुप्रधान
 विधिभसात्तच्छिनकहेजानहुवेद्यसुजाना ॥ ८ ॥
 डककामकुलेगगतिपित्तनसाइहमाइहंसमय
 रकपोतकफनागजलकावाइ ॥ ९ ॥ तीतुरेत्नवाबट
 रगति सोधमनीसनिपोत ॥ चलेछीनअरुसीतहो
 इनसाकरेयहघात ॥ १० ॥ कुधाचपलधमनीकरेउ
 अरक्तकीजानि ॥ थिरातपकीफुनिकहोआवगभी
 रवधानि ॥

विषमासनजुषटाईषार कुधात्पालवहु
भहार कटुकतिक्त अममदिरापान सेवेअग्नि
अधपरवान १३ उध्रजुषाईधूपमेगमे आधी
तिदुपहरीसमे कातिकजेठअसुनिवैसाष
पतविकारप्रगटकहभाष १४ मधुरमुग्धद
धेतिलनवनीत नोनषटाईपलकषसीत
भोजनतप्रओरदिनसेवै फागुनचेतसमेक
फहोवै १५ वोलैतुंगवादटतगहै चिंताषद
भयानकरहे रूषोषाईकटकनिसिजोगे संध्या
समेसीततनलागे भक्षनकरेकसेलासाई कि
येप्रकारवाइतनहोई क्रोधमोहभ्रमचित्तजुर
हे जनलपित्तकफलछिनयहै १७ तिल मा
रगेपोषजुमाघमहिआवनमादोतास पुनि
षाटपंडितकह्योवोइराजषटमास १८
जुप्रलाप स्कहिअधरषेदशाप मूकवाह
सातपरवीति लेछिनसुनहुपित्तकेपीते
लसेधहरषासीस्वास मुषमोठाजुभूषकानास
यमारीजुगलग्रहरेहे कफकेलछनेएतके
देहीपीडातात्तजर आलसउवामनमहिउ
हीसातलनिदानास रूषाअंगहोइबहुता
भूषद्येनुमुषफीकारहे उध्रप्रीतिकोपेज्वर
नाककियोकहेवषानि मारुतलछनएतेज

त्रियसंगमञ्ज
 रुवीज्जासीरेसलिलखोन। मोजनमधुरसुगंधता
 करेपित्तकीडानि २३। च्छारकसेलातित्तकटुतप्तोद
 कठपवास। च्वनविरेचनस्वदपुनिहोइइनहिकफ
 नास २४। तप्तोदकटुतउष्णइविमईनेतेलसरीर।
 सुरापानसेकेदहनइनेतेजाइसमीर २५।
 होइइत्रघाजुरहीन। करपदनामि
 जुतप्तोद। मृदुरसनापखोन। सुमलकनताकेकहे
 २६। जोपरी। जाकोअंगरहेचेतन्पु सुषनिद्राआवेजु
 प्रसन्न। सुभचितवनिसुनेकैजुकेहे। स्वादगंधसब
 केगुनलहे २७। विनुप्रस्वेदजुरखकेहोइ। सस्तउ
 स्वासहीनेकफसोइ। करहुचिकित्साताकोजानि। सो
 नरजीविकहोबधानि २८।
 जाइजुमारुतपित्तग्रहपित्तजाइकफग्रेह। क
 फकोविजवकंठमेघानजाइतजिदेह २९।
 कंठविषकफहोइ। निसादाहपुनिसोतदिन। मरेजु
 रोगीसोइ। ककूनबनेउपावतसु ३०। गुदाक
 एअरहीनसुरकोसस्वासपुनिजास व्याकुलहुक्की
 सोअनतिहिजमपुरहिनिवास ३१। हृदयचरनकर
 नासिकानामिहोइहिमजास। सोसतप्तजिहकोरहेज
 मपुरताकेवास ३२। दरपनजत्वघृततेलमहिआया
 इषहानि। सोसरहिततनुदेषियेनासपक्कमहिजा
 नि ३३। मज्जनकीयेतीनिगकरपदहियोनिहारि
 इहितसुततकालजोसोमृतुहोइविचारि ३४

गारुडीपक्वुमेओविकछूनगंध मृत्तिलज्जादुतिनामद्वय
 तामुदेइजमफंद ३५ ओदाओदिनुअतमृगमध्यमलेपु

आ	३	अ	ज्ये	ध	स	अ	के
उ	म	ह	वि	श्र	श्र	श	शे
उ	श्र	वि	स्वा	३	उ	३	३

निहोइ नछत्र
 इंदुरविनामनुर
 एकनसाजवहा
 इ इदीरोगीष्ट
 तुजुहोइतका

इजहांजमधाम सोसिबकद्योविचारकरिकालचकाधरिना
 मा ३७

हिकाविटग्रहमूर्च्छनाकास
 सअतीसार चवनविरेचनउदरदुषजुरलछिनदसाकार
 वर्तभूमचित्त नेत्रदाइकडुतावदनयेलचनज्वरपित्त
 ववनअरुचिमुखमधुरताकफजुरलछिनमीत
 हसिथिलजुकषायमुखयेलछिनज्वरवाय ५१
 दाघसोषपरिलापुः अस्थिपीडसिखर्वतिभूम एतच
 पकहेनुग्रथविचारकरि ४२
 नविरेचनउदरदुषवहुउकारहियजास लचनरसज
 द्योदेघोग्रथप्रकास ४३ जृभनमुखवहुअश्रुतनउद
 अंग येलछिनजुरदृष्टिकेकहेजुदृष्टिप्रसंग ४५
 निद्रान्भ

वदिसो ३ रसनादेसो मदिधेवरी रती समहार
धये प्रात उठर सनादेको घालि तापपित्तकफ
नासहोइततकाल पट तो जोइ जो नितको चोथा
रनाइ सूक्ष्मविषमजुसोतजुर उदर व्याधिनरहार
महाजुराकुसनाम धरि ज्ञात्रेयमहिज्ञानि ले
मनोत्सवग्रंथमहिभाषाकह्यो बषानि ६०
संषमसमहरतालसमनाठं
कंसुविचार नीलाघोथा दोइ टंकती निपु
कुमार जोषदिसंपुटमाहि धरिताको गजपुट
इ पुहरचारि पावकधरे सोतत्तमने सुलेइ ६
एकतीजुप्रमानगहिषाउ सो दोजे जासु भात
धेको पथ्यदइ होइ सोत ज्वरनासु ६३ कद्योज्व
कुरचरकमहि पंडितलेइ विचार नामहिरो
ज्ञानकविधिसिद्धप्रगट संसार ६४
पीपरिमनसिलनीवफ्लरसक
नीपाइ गीलीकी जेपीसिकेतापत्रदापमि
६५ जलसोपी जेपीसिके टंक एकपर
घघपित्तज्वर नारेहे ६६ चंदनपित्त
लोचनवारोमोथाज्ञानि चंदनपित्त
शेजानि सोठिउसीरनीरसोलेइ दाघा
रनासकरइ ६७
सोठिमिरचरुकांइ फरपीपरिताहिमि
नासजुली जेनीरसोकफजुरधनेमज
सोठि

रुपाइः पीपरिमिरचचिराइतौ। कुटकी सिंवारस्ता
इ। चूरनहरेजुवातजुरः ६५। मलजुरतौ। ग्रथ
कप्ररुकलिचालमोथाकुरोहरीतकी पीयहृ
थततकाल। मलजुरकफकोनासहोइ। ७०। चूर
रस्तजुरकोदोह। अजमोदाजुहरीतकीसोचरुता
महिपाइ। पीसिपियेजलतप्तसौरसजुरकनम
हजाइ। ७१। ग्रथषेइज्वरको। मदनकीजेतीनदि
ननेलतिलीकोलाइ। पुनिमजनजलतप्तसोषेद
तापमिटिजाइ। ७२। अइइइइइइइइइइइ। पीप
रिमिरचचिराइतौसो। दिहीगसमयालि। चूरनषेयटक
दोतापइ। षिकोटा। ७३। अइइइइइइइइइइइ। मो
थासो। दिचिराइतौपित्तपापरानानि। पीपरिकुडो। गिलो
पुनियेसवपीसुदुआनि। ७४। यहचूरनचूपसस्तत्र
तिजलसोपीजे। प्रातः अनलपित्तकफदोषत्रयहोतस
वज्वरघात। ७५। अइइइइइइइइइइइ। पीपरि
सो। दिगिलोइ। पुनिगोमूत्रहिजुमिलां। जलसोपीजे
टक। इसीततापमिटिजाइ। ७६। अइइइइइइइइइइइ
पीपरिसिवाजुआवलेचित्रकसोधोदोइ। चूरनपीजे
नी। सोनासविषमज्वरहोइ। ७७। अइइइइइइइइइइइ
मज्वरको। काय। पडरी। कटाईपीहोकरमूलजा
मि। समतलजुसो। दिगिलोइ। आनि यहकाथकीजी
यहिजलमिलाइ। कफकासस्वासजुरविषमजाइ
७८। अइइइइइइइइइइइ। पीपरिगुगलपाय

पुनिष्णामवसुमैमेलि धूनीदीजेघातउठिज्वरचातु
थिकेठलि ५५

परिमेषीसिकेमधुसौघाटडुजानि हिक्काकासस्वा
सजुरहोइपलकमैहानि ८०

सिद्धरफमिस्वेषीपरैवि
षटंकनजुसमान अडकरसगोलीकरहुएकस्तीप
खान ८१ आनदभैरवरसकद्योसन्घपातजुरजाइ

वातरोगसीतांगकफमोहसूत्वजुरजाइ ८२
गधकषारदपीपरैमिस्वैज
रौदोइ पंचलौनत्रयषारविषजभृकसोठिजुसोइ
८३ अडकरसगरुपानकसबगोषटिपुट्टे परमि
तचनाप्रमानगहिगोलीसुमतिवधेइ ८४ रसचिंता
मनियहकद्योकैरेनाससनिपात आमभववेसी
सूत्वकफहोइविषमजुरघात ८५

मिस्वेषीपरैसोठिविषगंदि
कषारदजानि टेकदोइयेलीजीयेकनकवीजत्रयजा
नि ८३ मद्देनकीजेतीनिदिनरसजुभांगरेपाइ गुं
समगोलीकरहुघातकालउठिषाइ ८६ संनपातसे
तांगकफसमीरजुषत्वाजाइ मंदभग्निउन्मा

एतेरोगनसाइ ८७
नीयामोथाचिराइतोकइ इद्रजधजानि वेवदा
रुदसमूलजुरुसोठिगजपीपरिणानि ८८ वाध
जुकारिकेपीजियेसनिपातज्वरजाइ तंदाहिक्काव
मनकफकासस्वासजुमिटाइ ९०
त्रिकुटात्रफल्ताहीगवचसेद्योकइमित्वाइ

पनिष्णामवसुमैमेलि धूनीदीजे शत उठि ज्वरचातु
थिकेठलि ७२

परिषेपीसिके मधुसोद्याटहुजानि हिक्काकासखा
सजुरहोइ फलकमेहानि ७०

सिदरफमिरेचेपीपरे वि
षटंकनजुसमान अइकरसगो लोकरहु एकस्तोप

खान ८१ आनदभैरवर सकद्योसन्पातजुरजाइ
वातरोगसोतांगकफमोहसूलजुरजाइ ८२

गधकषारदपोपरेमिरेचेजी
रोदोइ पंचलो नत्रयषारविषअभृकसोदिजुसोइ

८३ अइकरसगरुपानकेसबगोषदिपुट्टे ३ परमि
तचनाप्रमानगहिगोलीसुमतिवधेइ ८४ रसचिंता

मनियहकद्योकरैनाससनिपात आमभववेसो
सूलकफहोइविषमजुरघात ८५

मिरेचेपीपरेसोठविषंगो
कषारदजानि टंकदोइयेलीजीयेकनकवोअत्रयज

नि ८३ मईनकीजेतीनिदिजरसजुभांगरेपाइ ८६
समगोलीकरहुप्रातकाल उठिसाइ ८७ संनपातलो

तांगकफसमीरजुषलाजाइ मंदअग्निउन्मा ८८
एतेरोगनसाइ ८९

नोयामोथाचिराइतोकइ इंदुअधजानि वेवदा
रुदसमूलजुरुसोदिगजपीपरिजानि ९० काय

जुकारिकेपीजियेसनिपातज्वरजाइ तंडाहिक्काव
मनकफकासखासजुमिटाइ ९०

त्रिकुटात्रफलाहीगवचसेद्योकइमिना

पीतजुसरसौसरसपुनियेसौषुदिसप्रभाउ॥
जामूत्रसोपीसिकैकरिजंजननेनाइ। जपस्मारउ
न्मादभ्रमसंनपातनरहाइ। २॥ ॥ ॥ इतिमिररागपुनि
अधनिसिमृतदोषसिरवर्ति। विद्यजुकह्योविच
रियहइतेनेकरेनिवर्ति। ३॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
काथ। पीपरामूलचिराइतोसौठिसुइहेमिल्लाइ
क्राथजुकरिकेपीजियेसन्पपातनरहाइ। कुंकुमलौ
गजुपीपरेअकरकरहाजुमिल्लाइ। अइकरससौ
मादियेठंकएकतवधाइ। ४॥ ॥ सन्पपातउन्मादकफ
निद्रामारुतकास। सीतपित्तभ्रमशोरजुरइनको
करेविनास। ५॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
मिस्चमरु
गोडाडिमकली। चंसलेचनाआमृगठली। लोह
मरहठोमाईधाइ। माजूफलजुमोचरसपाइ।
कुडाजाइफरकीकरफले। केथविभागअवरस
मवलसवश्रोषदिभागसुचारि। पेठेबीजगरी
तिनिअरिपीसुहश्रोषदिएसवज्ञानि। ताकेगु
नकोसकेवधानि। श्रोदनमठापथ्यदेइजासु
श्रुतीसारसपूहोइनासु॥ ६॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
मोथामिस्चसोठिअरुधाइ। विल्वपतीसमोच
रसपाइ। लोदुलजातुअवकेबीजकुडापादइ
दुजवलीजु। ७॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
लोचिनवालापुनिमधुपाइ।
तदुलजलसोपीडिमिल्लाइ। मठाभातभाजन
जवलेइ। श्रुतीसारअनमाहथमेइ॥ ८॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
मंगधरदुलोसोठिधातुकीमोचरसजजमो

दाजुमिताइ पीसिक्काडिसोपीजीयेअतीसार
मिठिजाइ आमवीजअरु
जाइ फरबेलकैथजुअफीम जलसोलेपुहन
मिपञ्जोषदिकहीहकीम
सोठिकुडाजुपतीसहिगमो
थागितोइमगाइ काथजुकरिकैपीजियेअती
सारज्वरजाइ ३
लोचनवालाकुडापतीस मोथावेलुजु
समकरिपीस याकोकाथजुकरेमित्ताइ सोनि
नअतीसारजुरजाइ ४
लोदुषइदुजोमोचरसमोथावेलजुधाइ गुड
सोपुटिकाकीजीयेअतीसारथमिजाइ ५
सैधोसोचरहोगवचसिवापती
सरलाइ पीसिपिये जलतप्तसोआमअतीसा
रथमाइ ६
धनीयामोथासोठिपुनिवलावीजकथ
धालि काथजुकरिकैपीजियेसंग्रहनीकोटलि
मोथासोठिमि
लोइपतीस तपनीरसोपीजेपीस अमअरु
चिसंग्रहनीजाइ वाइसूलकनमाअमिटाइ
कआमअरुचिसंग्रहनीकाथ
लोदुपाढलजारुमोथासोठिवेलुरलावह ७
नीयापतीसगितोइवालाकुडाधाइमित्ता
ह समपीसिजोषदिकाथकरिकैप्रातउठिकै
पीजिये आमअरुचिरुसंग्रहनीनासहितया

पीडितो वैद्यके च वद ससुतनयन सुखवि
चि ते वैद्यनात्वे ज्वरं न पीतं गृहीतं सारं
गृहीतं शोणितं सारं मधु तीक्ष्णसुदृशं
यववैशोरो मचिके सा ॥ सूरनवटिला दिहा ॥
एकमिश्च विवि सोठि पुनिचीता आठप्रमाणं सूर
रनषोडसमागले चरुनकरु सुजान ३ दुगमले
हयडपाइके गुटीकरु हटेक दोइ पेटअफरा गुल्मग
दनासववैसी होइ ॥ १३ ॥ अश्वत्थीता
इंद्रवसेठी सैधोवेल चूरनपीजेतक सोरोगव
वैसी ठेल १३ ॥ सूरनवचगरु मस
लीकुडो सोठिसमभाय पीसिक्का द्विसोपी जीयेरो
गववैसी जाय १४ ॥ रत्नबडो दुधोको गानिघ्र
तलंगनि सोपी जीये टंक सातपरवानरक्तववैसी
ना रहे १४ ॥ इत्यमरं रोगनिघ्रं ॥ देती हल
दनुजावरपीसुहु नीरमिलाइ लिपनुको जे प्रातः
ठिरोगमगंदरजाइ १६ ॥ असतविलाइ गानिके त्रिफ
लारससंज्ञोग ताद्यसितप्रलाइये जाइ मगंदर
ग १७ ॥ सैधो सोठिसुहरदपुनिबड फलवसागि
रजाइ पत्रधिसिलाइयेना समगंदर होइ १८ ॥
कुंकुटपारावतैको वीठि वासबकलीया दो
दोठि किरवारो मनसिलहरतारु हींग सहित सम
सिसुधार मैनुमिलाइ मलह मयोकोरु सवप्रकार
लताहरे १९ ॥ ॥ स्वानास्थिगरुके कृताविफ
त्रिकुटात्वाइ मटादधीकोलेइ २० ॥

रागकोस्त्वभगंदरघोड २१ त्रफलागूगरपीपली
पीसहुनीरमिताइ गुटिकाकरिपुनिलेपियैरोगभ
गंदरजाइ २२ त्रफलाक्रायजुआनिः
भगराजरसमेतीये धोवेगुदासुजानःदहेभगं
दररोगको २३ महदोधीउमगाइःत्रफलाकोका
टोकरे दिनप्रतिहेठिलगाइःमेहभगंदरनासहो
इ २४ इस्त्ररोगप्रतिकारः सोधरसेधोहीगसो
ठिअजवाइनिरुविडंग अजमोदजुअमयाकना
जवाघारसमसंग २५ इनकोचूरनकीजीयेघृत
सोधाइमिताइ गोलासूलविस्त्रुचिकाअरसअः
जीरनजाइ २६ जीराअजवाइनिवच
चीता हीगसोठिसाजोलेमीता सोरासमकरि
चूरनकीजे तप्तोदकसोदिनप्रतिपीजे गुल्मवि
कारउदरकीवाधि जठरलीहकोकहोसमाधि
पुनिजोषदिकुमारिसोधाइ गोलाफोलापलम
जाइ २७ त्रफलागूगरपीपलीसो
सोसुंठीसहजभावर्षामूसुरदारकाजीसोले
पीयेसोजाविथानिवार २८ पीपरिवडीकटाईजानि सुंठीअ
याजीराअनि मोंथाचीतापीपरामूल गजपी
रिमलहसमतूल तपनीरसोपीजहपीसि शा
वातेवेदेनानहिदीस ३० शूलअभूषफीहानरह
इ धासीस्वासकूनकमेहिजाइ ३१
सोठिविडंगहरीतकीदेवदारसुमित
इ तप्तोदकसोपीजियेआमवाननरहाइ ३२

३२२७२ इ पुनिसिवा विडंगपतीसा। मिरवइंदुजो
निकैली जेसमसरिपीसा। इशतपुवारिसौपी
तीयेआमवातनरहाइ। कंमपी जाहेउदरमहिया
तीयेज्वरजाइ। ३४। ज्वररोगी। सिधा। रूग
सिवापुननेवादाहनिसा। सुगिला। शधनुमूत्रसे
पीजियेकमिकेनासुजुहाइ। ३५। सिधाहरदवि
इंगपुनिपीसहसमकरिजोग। तपनीरसौपीजी
येनासेकमिकेरोग। ३६। त्रिकुटात्रिफलासिवाच
वनीवतुचाअरुपाइ। विटुरकुडासुविडंगपुनि
चरुनकरहुवनाइ। ३७। धनुमूत्रसौपीजीयेटका
तीनिपरवान। सातदिवसयोषाइयेहोइउदर
कमिहानि। ३८। गण्डसूत्ररोगप्रतीकार। सोच
रहीगजुसोठिपुनिआनहसमकरिभाइपीसि
पीयेजलतपुसोसूलविसूचीजाइ। ३९। चो
सिलाजीतसतुगोषरुजानिसिधादेवदारब
कानि। मोथाषाइबिरंगसमान। शृतसोमषट
कपरिमान। ३९। दिनचोदहयाविधिसोषाइवाइ
सूलकिनमोहमिटाइ। पुनिभारंगीसोठिजुएल
शृतसोषाइसूलकोठाला। ४०। सारखा। मुहलेठीदेव
दारु। समकरिपीसहआनिके। जलसोकुरुआहीरु
दाहसूनउरकोमिदे। ४१। चित्रकसुंठीजानि। सिधाही
गजुबिल्वजड। एरंडमूलजुआनि। चरुनहरेजुसूल
को। ४२। जपदिग्वाएचणी। मिस्वपीपरेसोठिहि
गसेधाजीरादोड। जजमोदजलतपुसोकवहसूल
नहोइ। ४३। जधेणसूलके।

असगंधसुदीपीपैरैलोगेमिश्रीपाइ। जलसौपीजैपीसिके
 दुईरोगनरहाइ। पचीअथउत्तिका। फूलेआंककेतुवंगु
 निपीसहुसमकरिआनि। गोलीयेयेप्रतउदिहोइइकी
 हानि। ६०। अघान्त्रोपदेसाइ। अफलासौदिविडंगसु
 रहोघनमिरचैकना। पीपरामूरत्तुवंगदेवदारुतजजाइची
 ईश। दोहा। पदमपत्रअरुरासना। अगजकेसरिसुमिल।
 इमिश्रीदूनीसवनिकेधईरोगनरहाइ। ६१। अतिनीपं
 डितेथेयिसीसुदाल। लघुसुदुधनसुखेनापरेवितापेदुम
 नीरहेजेअः ॥
 ननल। ॥
 धः ॥
 सोनामोघीलायरसपान
 दुदौनोलाइ। नासुलेइनरप्रतउदिहचकीनहोरहाइ
 ईश। ६२। अचरु। अनाइतुवंगु। मिरचत्तुवंगुरु
 चिताअनिगिरीवेल्कीयालि। अथुसोदौजैपीसिके
 दिचकीपीराटाति। ६३। अफलासोदो। मनसिल्लहरद
 ज्ञानिकेपीसहसमकरिजोग। अथमहिधूनीली
 जोयेनासेहचकीरोग। ६४। अनाइतुवंगु। मिरचत्तुवंगुरु
 सेरुकुआवरलैजावे। मलिचतुर्गुणजलप्रोयवे
 रेसरइकृतवनरपीवे। तीनिदिनाहचकीतेजीवे
 ईश। अरुहा। सोढिभारेगीअनि। तप्तौदकसोप्याइ
 ये। दिवससातपरवान। हचकीतनमेनारहे। ६५।
 नागवलिजरलाइ। जलमिल्लाइकोटोकरे। दिवस
 तप्तमरिषाइ। हचकीजाइविदोषकी। ६६। अथ
 ईश। अतुवंगु। चंदनमोघीलाइचीलाजाक

लवंग विरमिगीजरुकमलफलमजकेसरिसुप्र
पग १० इनकोचूरनकीजियेमधुमिश्रीजुमिलाइ
घातसेमेजवचादेये छुट्टिरोगमिटिजाइ ७०
लाजासितालवंग कमलवे
जजरुलाइची चाटहुमधुकेसंगः छुट्टिरोगकोना
सहोइ ७१ मोरचदिकाजानिः कोजेराप्रतराइके
मिश्चइकमधुसानिः छुट्टिरोगकोदानीहोइ ७२
विरमिगीजरुश्रावरेपडीमाडिकामेलि पीप
लिसहतचटाइयेछुट्टिरोगकोरलि ७३
सोठिसुषारीकाकरा
सिंगी पहकरमलकचूरभारंगी मोधामिश्चतपूज
ललेइ मालास्वासकोनासकरेइ ७४
कटाइजुपडकरमलजानि पुनि
सासोठिकुलथजानि तिनिपीसिजुषायेतना
सबस्वासकासकीहरेपीर ७५
सोठिवहेरपीपरकाकरासिंगीजानि भारंगी ७६
खुल्लरसंभणीसुहजानि ७६ गालीकीजानि ७६
कटाइसमसोइ निमिकोषुषमेराधीयेनाल
कोहोइ ७७ वासासुंठीपिपलीयसमपीर
गालीकीजेसहतसोहोइकासकीजानि ७८
सोठिजुपीपरचवीकटाइपाइ पीसिपीउज
षासीधासीजाइ ७९
विषकोडीमिश्चजुसमान भस्महोइपच
प्रमान गालीकीजेमृगसमान करेजुक
श्रीकीहानि ८०
श्रीकपीतजरु

नालवंग वैरमिगीग्ररुकमल्लफलमजकेसरिसुप्र
यंग ६० इनकोचरनकीजियेमधुमिमीजुमिताइ
प्रातसेमेजवचादीये कुट्टिरोगमिटिजाइ ७०

लाजासितालवंग कमल्लवं
जग्ररुलाइची चाटहुमधुकेसंगः कुट्टिरोगकोन
सहोइ ७१ मोरचदिकाजानिः कीजेराषतराइके

मिरचदंक्रमधुसानिः कुट्टिरोगकोहानिहोइ ७२
वैरमिगीग्ररुग्रावरेपडीमाद्विकामेलि पीप
लिसहतचटाईये कुट्टिरोगकोरलि ७३

सोडिसुपारीकाकरा
सिंगो पहकरमल्लकचरभारंगो मोद्यामिस्वतपूज
ललेइ माहास्वासकोनोसकरेइ ७४

कटाईजुपहुकरमल्लजानि पुनिव
सासोठिकुलत्यजानि तिनिपीसिजुण्यवितनार
स्वस्वासकासकीहरेपीर ७५

सोठिवहरेपीपरेकाकरासिंगोजानि भारंगो
रखलरसंमणीसहजानि ७६ गालीकीजेनोसोव
कटोइसमसोइ निसिकोषुषमैराषीयेनासुवा

कोहोइ ७७ वासासुंठोपिण्लीयसमपीसु
गालीकीजेसहतसोहोइकासकीलानि ७८ वा
सोठिजुपीपरेचवीकटाईणइ पीसिपीउजला

षासीधासीजाइ ७९
विषकोडीमिरेचैजुसमान भस्महोइपचाती
प्रमान गालीकीजेमूगसमान करेजुकफष
श्रीकीहानि ८०

लफूलमूलसमकारि राघपीयेनरनीरसोहाइध
इकीहावि। ८१॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ पीपरिलो
दहरीतकी चित्रकलेहसमाना पीसिपिये जलतत्र
प्रसौभूषवेद्यवहजान। ८२॥ त्रिकुटात्रफलाहोग
लो भनगजवायनंहिमिलाइ। समगुरगोलीकी
जीये मंदाग्रिजुनसिजाइ। ८३॥ अथ चण्डिका चैत
रीसधौसोचरुवाइ विरंग। त्रिकुटात्रफलागौर
लवंग। चित्रकहीमगजवाइ निज्ञान। जीरादा
ऊसमकरिजान। ८४॥ इनग्राषदिकोचरुनकरो।
तीनोपुटनीवकेधरो। टंकदोइ दिन प्रतिहीधाइ
मंदागिनिहूनमोहिपलाइ। ८५॥ अथ मन्दाग्रे इति
तेलनिचकोशानिकरिमईनकीजडुध
लोइ। सिद्धजोगनेनाकह्योनासविस्त्रोहोइ। ८६॥
तेलतिलीकोशानि करपदमईनकीजो
धे नामविस्त्रोशानि सिद्धजोगपंडितकह्यो।
८७॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ त्रिकुटात्रफलाहोग
चनकोमलि करपदमईनकीजेलाइ। धल्लीसू
लेबिसचीजाइ। ८८॥ इति मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
८९॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
९०॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
९१॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
९२॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
९३॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
९४॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
९५॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
९६॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
९७॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
९८॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
९९॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति
१००॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति ॥ अथ मन्दाग्रे इति

उत्तोर्यकोटलि चर

मरफेकाटकघीसंग
मासएकजोसबनुकरे अंडवृद्धि

कौनिहैवेहरे १००

अंडतेलविहालपुनिपा

यद्यजजोग प्रातसुपेजेजानिकेहेरअंडकोराग ए०२ जी
राअरेडकठसमहहवेरबदलाइ काजीसोजवलेपि

अंडसोथुनरहा १०२ पुकरमूलजुमानिवांरहगा
एधोवसा लपुकरडजुप्रगनहरेअंडकीपीरो १३

अधोऊसीलमगाइ अंडतेलसामरिये अंडपोरमि
दिजाइ सातदिवसेजोलेपिये १४ कठसो

राइमिलेवासाचिन्कलाइ पारमीसोजबलेपिये
घनपोरमिदिजाइ १५

मुहमूदीदाडिमकलीखेतकाथसघनघंडदिन
सदरनटेकरकनासिरोगप्रचंड १६

धाहलीलाइचीसिलाजीतपुनिलेइ सवप्र
दुधहरेषाडसहितजोलेइ १७ बडोले

सदरनटेकइकेव भोजनकीलेपथाजेक
भव १८ सगिलाइकोजानिकेपीजेस

सधप्रमेहकोनासहेइ प्रातकालजोपाइ
मुहरेठोअरुइसवगोल मिश्रीरह

ताल भोजनइधभातकोकरे प्रवलप्रमेह

२ २०० गोधरुऊनारेनुकापाइ जोसममेदगरुहरेइम

करुडमिलाइ १ सिलाजीतमिश्रीमिलेका
दीपाइ मूत्रकडेपथरीप्रवलअरुप्रमेह

वासाएरंडइलाइचीदधिये

वा३॥ मूत्रकृच्छ्रसर्वहीहरे प्रातःकाल उठिषाड ३॥ सिला
तीतजवाधारधरिजलसोपीजेजानि मूत्रकृच्छ्रसर्वदे
कौनासहाइयोजानि ४॥ अथ मूत्ररोधप्रतीकार ॥
विष्टामूत्रेकीजुपुनितंदुलजलमहिमेलिनामितल
जवलेपिये मूत्ररोधकैरलि ५॥ अथ काथपरडी ॥ गो
धूरुजवासोहररजानि पाषाणभेदकिस्वरोजानि ॥
यहकाटोपीजेसहतपाडा तवमूत्ररोधकनमाहजाड
६॥ फलासेधोगोधूरुवीजककेटोपाडा तपत्रोरसो
पीजीये मूत्ररोगनरहाड ७॥ अथ पथरीरोगप्रतीकार
१॥ गो ॥ वरुनासाटीगोधूरुकाथकरोसमभाड पावदु
गुडजवाधारपुनिवातपथरीजाड ८॥ अथ काथावरु
नादूरनीगोधूरुसोठिअरंडमिलाड अस्त्रभेदकानिरलफ
लश्रिगंतुवासमभाड ९॥ सोरठाकाथुसुयाकोलेइलौं
हीगजवाधारधरि दोगेपथरीदेइमूत्रकृच्छ्ररुउदरदु
१०॥ अथ मृगीरोगप्रतीकार पुष्करमूलादिकाथ पुह
करमूलचिराडतौवस्त्रीसोठिकेचूरादारुहरदसरदारु
वचमौथापीपरामूर ११॥ अथ कूटजुसिरसकूडकीजेका
थसुआनि मृगीरोगउन्मादककृतापविश्रुचीहानि १२
१३॥ संग्रहात वचयुरासानीसहतसगटकदाइजवलेइ
मृगीरोगतवहीहरेदधभातपथदेइ १४॥ अथनासमृगी
को मिरचैसैहडिमेंधरेदिनइकईसप्रमानलेइनासन
स्त्रीरसोहोइमृगीकीहानि १५॥ वस्त्रीरसवसुकूठकचसं
षाडलीधालि गोघृतमहिप्रहसिडिकरिमृगीउन्मादहि
यालि १५॥ त्रकुटाचौदसिअष्टमीओटडुचितामशारि

त्रिषकोनरनरकोत्रिषाष्टगोनासतेहटारि १६ बूच
रुडोडाआककेश्वतणजुपटतीनि नासुजुदोजे
मृतसोअपस्मारहोइक्रीन १७ सोरठा कटाईवी
जमंदाल सहतसंगकरिकटिये म्गोजाडततकाल
नासलैइदिनसातलो १८ चौपई अजवाइनिजीरे
मुंठोलेह हरेरलौगकटाइदेह तन्नरीरसोघुटीजु
दोजे बालकम्गोततकूनक्रीजे १९ मूछास्वासने
त्रिफिरजाइ मुषफसुकरेचेतनसाइ वारदोइयेत्त
कूनदिनमे बालकम्गोनासहोइक्रीनमे २० मिरचे
सातपीसिकरिलावे करयेबीजतमरीभावे सप्टर
जीजसमनासुकरावे रोगसोसवेनसावे २१ अ
थकुरोगप्रतीकार अफलावासानोवपटाल वे
रुगिलोइतुसमकरितोल वूरनकोजेजतमेघोरि
कुषरोगनहोउठेबहोरि २२ अथदोगफला नि
फलागिलोइमजीठकुटकीनिसाजीवमुजानि वत
दारुहरदविडंगवासादेवदारुसुआनि समपीसि
चूरनकरेविधिसोपियेपानीसंग सकाएरोगजु
मजेपलमैनसैकंडरोग २३ दोहा लैमजोअफला
कडरुजनीनीवुगिलोइ देवदारुस्वचपीसिकेकावे
कीजेसोइ २४ प्रातकालउठिपीजीयेवातरतनर
हाइ शक्कमंडलपानकोदागुकुष्टमिठि २५
अथलेपु चौपई पुजानीवुकूठक्वचीता येसम
पीसहमेरमीता काजीसोजलेलेपुकरे स्वतकु
एकोनिहचेहरे २५ सोरठा अगिछालितृजानि

लेशुकरदुपुनिरगरिकै। स्वतकुष्टकीहांनिसिद्धजोगने
 नकहो। २८ अथचंद्रसग्रहात् चोपई खेरभावरे स
 मकरिलेहु। प्रातकालहीकाथकरेहु। एकदो इवाक्च
 पाइ। स्वतदागमासमहिजाइ। २९ अथचंद्रमणिछादि
 काटो। मुनीठगिलोइनि साजुगवाले। दोइकटाईचर्व
 किरवाले। सप्रनिवृत्तपंचांग कूटकरोदावाइविडंग
 ३० पीपरवरउमरफललावै। पटोलपत्रताकइमिलवे
 चीतादेवदारुसमभूर्वा। चिफलाखेरसेतलेदूर्वा। ३१
 सोरठा। छालिकुरेकीआनित्रायभानअरुइइजवा। पा
 ठभारंगीजानिविजेसारपंचांगले। ३२ दोहा। दातेनि
 निसोतचिराइतोवरनाजवासोआनि। पीयावासोभांग
 राक्तचदनजुप्रमान। ३३ बीजपलासजुवावचीइइजो
 लाइ। अरुसाजुपुनर्नवागुलदधमिलोइ। ३४
 लैकटहरकोइधमिलावै। चिकुटाअर्कमूस
 पीपरामूलविदारीकंद। सुतावरिसरफौकाइ
 ३५ सोरठा। कजापातमगाइवकाइनिअरु
 मोथाकसोधीपाइसबओघदिसमली
 काटोकरेसुजानचतुर्थीसकरिप्याइयेदि
 प्रमानकुष्टव्याधितननारहै। ३६ चोपईमे
 कुष्टगलदादु। विडदमंडलाअरुकछदादुवा
 सादेदुकोनाम। अरुपित्तकोआम। ३७ मंडल
 नादादुअसार। विचलाउ

॥ प्रसरददुवरनीन

मंगलाविकलसरीर तिलप्रसादिनोद्वापीर विदुरार
रुखेतनोकुष्ट एप्रसाध्यतीनोद्देष्ट ४००
मंजिष्ठादि देवदारुजादि शोषडे देवदारुनिसा
दोइआनि किरवारो ज्वितावरिजादि लोदुवि
डंगनिसोतुभिलोणे मजीठगोषुरुहररस्त्रोणे
वचवावचीविसालावासा सैहडरदनजुरक्त
धमासा आकरुनीवधतरपान समुदलो नूले
गडिरसजान ४१ आठटंकजोषदि समलेइ ले
गडिरसप्रतिवारपिवेड ४४ अथमिचादि मि
चविधाइरोमोघाजानि मुंडीप्रनसिलगधिक
आनि देवदारुहरितालकसोदी सुरभोपातमो
चरसहोदी सरफोकाकिरवारी चितावरि ३२
गासनवावचीसुतावरि दाडिमवीजसमेति
सुजान येसबजोषदि एकसमान ४६ जषादि
सषसुकाटोकरे टंकजोठगेहदरिधरे पोपर
पानकोरसुजोपरे दिनसताइसमेकुष्टहिह
गे अथरवृतादिकाथ निसोतुजाइफरकुट
कुलीजना वचरुभागराळालिसुरुजनाक
निरिवकाइनिचीतापंचांग निसादोइअजया
दविडंग केलिकदमसेपरिके पान सुपतसा
टगोषरुजान अत्रवाइनिकिरवारो लउको
टाकरिसेवतीरसुदेउ गोहदरि करिपथ्यजुक
रे दिनइकईसमेकुष्टहिहरे अथस्वतकुष्ट
कोउपाउ नाइपमाडासोफमिलावे नीवव

काइनिञ्जलिमगावे। समञ्जोषदिजलसेतीणाइ
 खेतकुएदिननोमैजाइ। ५३। गंधकदेवदाहहरि
 तालवावचीमनसिलसमकरिद्यालि। रसपान
 कोलहसोरमैले। खेतकुएदिननोमैठेले। ५४। क
 वरीञ्जलिवावचीलावे। नीबुफुलफुलकफेम
 गावे। लैगडिरससोमईनकरे। खेतकुएदिननो
 मिहरे। ५५। पलासपापरात्रफलात्ताइ। लेपेखे
 तकुएनरहाइ। रसतिलथुवामिलेनोसादर। लेपे
 खेतकुएहाइकादर। ५६। ज्ञेयवातेलजनाधिको
 षाइ। तनतेकुएवेगिमिटिजाइ। पलासवीजकेले
 कपान। मनसिलदूधमूलपुनिआनि। कटुकतेल
 तापेमैघिसै। लेपेनकरतकुएसवनसे। ५७। केल
 पुजासमसमदोइलेइ। मनसिलरभीकूठपुनिदेइ
 नीववीजसनवीजमगावे। रसजुभागेराकुएन
 सावे। ५८। श्याक। तालकेशाणमात्रचतुःशा
 णतुवाकुर्वी। गोमूत्रपिष्टतत्रुणैलेपनंवित्रनाश
 न। ५९। सुवर्णपुष्पकाशोशविडंगानिमन। शिला
 हरिद्राद्वितीयधापितेलभेजलमंपचेत्। ६०। ज
 म्भनाशयद्रुसाचित्रचित्राणिनाशनं वज्रीहीर
 द्रवं महिषीविडंमवंभावं
 पचेतेलविशेषतुगाम्
 तलावशेषपक्वाचततेलप्रस्थ
 धीगंधाग्निशिलातालविडंगानितिबिवा

६८ एाचोकजवाहारैसैधवंचायसज्जिका देवदारु
 चकंधीशं चूर्ण तैलविमिश्रयेत् ६२ वज्रीतैलमिति
 रूपांतं मधुमंगोसर्वकृष्टतुत् ६२ अथकंडूकोचूर्ण
 दोहा हलदवावचीनीवदलकोरजांवलापाइ ६
 कदोइगोमूत्रसौपीत्रकंडूजाइ ६३ लेपपामको
 दोहा मिर्चसिंदूरसमानकरिमहिषीष्टतसंजोग
 मथिकैलेपनुकीजियेनासैपामारोग ६४ चौपडेचे
 कविडंगकटपरवान अगंधकसिगरफलेइसमान
 सिंदूररुद्रावराइकसार नीवधतरेरसत्रयवार त
 वमईभकारगोलीवाधे गोलीएकघाजुकोसाधे
 कालनिदाइहिलेपुत्तकरे गोचोपामानिहचैहरे ६
 अथगोचोकोउपाउ पातप्राककेभसकरिमाषनसं
 गमित्ताइ दुधुगोचोकोतवहरे जवनरत्नेपुकरा ६
 लेपुपामको सारटा गंधकहलदसुतेइ नीलागोथ
 वावची साजीचोपसुदेइ सवलेदुग्धपवाइजाइ ६८
 कटुकतैलमहिपाइ मईनकोजेतीनदिन महिषीगोप
 रत्नाइ पामानसैअनेकविधि ६९ अथनिगदुसुते
 प चौपडे कालीट्टीहलदविडंग पुहकरमूलक
 इकसंग कालिंगदनीवकेसौठिनिगंधव
 लौनककाटेकीजरत्नेइ ७० कालिंगदनीवकेपात
 लीजीराकारइहभाति गेरूमिर्चजयेतीले
 कंठीकोरसतादेइ ७१ लेपनगडमूत्रसोकरइ लहार
 निनाइकीयहहरइ ७२ सर्वसूलविसपाउपलाइ क
 हेनेनसषयहसमजाइ ७३ अथपामकोउपाउ दोहा
 दूवहलदसमपीसिकैलेपहुजलसंभजोग पामादाउ

अहपरसषट्पनासहिएतेरोग ७३ अथलताकेले
 पचोपई चंदनकूठसभात्तपाइ कमलबीजसरसा
 समभाइ लेपनकीजेजलमहिधोरिल्लताविद्याइ
 नकमेतोरे ७४ अथकुपिरोगप्रतीकारदोहा क
 ह्स्तीदलकीभस्मकरितामहिहलदमित्ताइलेप
 नुकीजेनीरसोष्णीपीरोगनसाइ ७५ तथालेपाप
 दूडीछंदः चंदनहरतात्कपरठानि सुहागामूल
 बीजगानि जंभीरीरससोलेपनुकराइ सबुद्धीप
 रगद्धनमाहिजाइ ७६ तथालेप सारठा गंधक
 चंदनगानि नीबूरससोलेपिये दिवससातपरवा
 ने कुपिरोगतननारहे ७७ अथनहनुवाप्रतीकार
 अर्धरंधकरिसीपिकौदधिसोपीवेसोइ निसुओ
 रधिनेनाकहेनासनहनुवाहोइ ७८ शख्दधातको
 मूला काकजेंधाकोमूलकूटिनरशख्दधातमहिदेइ
 पीडोरक्तप्रवाहहरितवेहीधावमित्तेइ ७९ इतिआ
 यदितवेद्यकेसवदासपुत्रनयनसुषविरचितेखेद्यम
 नोत्सवेकुरेडपेमेहमूत्रकृच्छ्रमूत्ररोधनअस्मरीअपस्मार
 कुण्डकडकीमादादुविचर्चिकारोगलूतानहानुशख्दधातप्र
 तीकारनोमपचमोशमुदेशा ॥ ५॥ अथवाइरोगप्रतीकारतत्र
 वातव्याधिचिकित्सा ॥ ६॥ अथडीछंदः ॥ असगंधसोबितिलदे
 समान समतलघांडमेलुहुसुआनि यहओषदिलीजैइ
 तपिलाइ सबवातव्याधिछनमाहिजाइ ८० अथवाइर
 दोहा भंगसभात्तभांगरामुंडीताहिनिलाइ कुरुदेजैइ
 कइक्यातरोगनरहाइ ८१ गुटिकाबाइकोचोपई ॥ ५॥
 चित्रकअसगंधआनि

लोजीपीपरामूल अकरकटामेलौ समतल २३ दनेयुड
गोलीकरे टंक एकपरमानसुधरे प्रातकाल उदिगोली
३ वाइचौरासीतननरहाइ २३ अथत्रपुरभेरवरसा
अकचारिसौडिकोलेइ मिस्त्रेचंकचारिपुनिदेइ तीनिस
हागविषइकधरु अइकरससौगोलीकरइ २४ एं
जासमगोलीपरवान सीतहरैनिअेकरिजान वायरोगछन
माहनसाइ छमरिसुमिरतवाइपलाइ २५ अथवाइपीडा
कोंकाथ दोहा सुदीएरंडरासनोदेवदारुसुगिलोइ का
टापीअे प्रातउरिपीडावायनहोइ २६ अथलघुविसगभ
तेल चौपडीमीठतेलसेरकअोनि तुल्यधतरेकोरस
जानि गुजाविषधतरावीज पांचपांचटंबाखलीज २७
विधिजुततेलकीजीयेअानि लघुविसगभतेलयहजानि
मईनकीजेदेहीलाइ वाइचौरासीपलनरहाइ २८ अथ
कां वाइकों दोहा वीरकरुगोदूधमेंआबोलेहसन
कूटि वातसीतहडफूरनिअकरदरदेजाइसवरदि २९
अथत्रयोदसांगगूल मालकांगुनोरासनाअसम
दिगिलोइ सिवाभेघडेसोफहोसाटोसुतावारिसो ३०
अजवायनिसमपीसिकेंसमसरिगूलडारि अथभा
गोधीवसौगोलीकरुवनाइ ३१ तप्तोदकमधुदूधस
टंकदोइनवघाइ कटिग्रहनीअरुजी निदुषकुत्र
जाइ ३२ नाडीजानोवाथकोवाहप्रदिहउसोइ मज्जा
धीषंजसुंनएतेवायनहोइ ३३ अथपित्तकोपप्रतीका
पइपइडी इलाइचीकरउसीरतानि आवरेचंचलतु
अानि थैपीसिअुपीवेजलमिलाइ सोपित्तकोपछन

जाइ १४॥ अथ दायविथाविथाकोलेपु वरीपत्तवका
वेनेदलदुपुनिसोइ जलसोलेपहचरनजुगदाय
विथानहिहोइ ॥ १५॥ अथकुटिकोचरनेलेहिहोहारेक
मलफलनगरुइलाइचीयालि। सोतनीरसोपोजीये
कुटिउवाकीटालि ॥ १६॥ दायविथाकोलेपु कांसधा
लमहिनीरसोसोजुवारधुतधोइ। लेपकरुपुनिचर
नजुगदायविथानहिहोइ ॥ १७॥ अथकफकोपप्रतीका
रहाहा। केसरिमिस्त्रेपीपरेभारंगोपुनिजानि। मा
सोतामोलांगसमयेसवपीसहजानि ॥ १८॥ पाननि
संगजवदोडियेपरमितटंकजुगाध कफसासो
रुखासजुरहोइषईकीवाध ॥ १९॥ कफसासोकोले
गभारंगोपीपरेसोठिकटाईपाइ। पिसिपीउजलत
पसोकफसासोदुषजाइ ॥ २०॥ अथकंपनवाइकोगु
दिकाचोपई। असमथसोठिघोउगुडलेहु। मिष्टे
लमगरारसदेउ। सेरसथेलेहुसुजान। मेदासे
रदोइपरवान। पीसिछानिकेत्वाइकीजे। कंपनवा
इततेकनछोजे। दिनइकईसप्रातउठिधाइ। कंपन
वाइवेगोदेजाइ। अथगंडमालाप्रतीकारे। हाहा
सोठिभारंगोपीसिकेतदुलजलमहिमेलि। केठस
याकोलेपुकरिकठिनहजीराठलि। ३। सोरठा। पल
रसतुचकचनार। विफलाकटुफललीजीये। अथ
पलत्रकुटाडारि। वरुनापल्लवइकतोलधरि ॥ ४॥
कषकषपस्वान। तजपत्रजरुइलाइची। गूगल
सवसमजानि। गुटिकाकीलेटंकदाइ। षडरकाथ
सोदेइ। अथबापध्यातपूजल। मुंडीकाथकरइ

प्रातसमेन रजानिके १ गंड मात्व न ज्ञानिके २
 अपची गोला ग्रंथि गद मेह म गं दर दुष्ट ३ अवेदना
 सै सत्प सुनि ४ अथ मुखरोप प्रतीकार तवा धार ५
 रुला र्चो मोथा काथ रला ६ मुख मह मेलु हु पी सि
 करि वदन पाक न रहा ७ सोरठा तेल कर र को ज्ञा
 निक ल्हा की जै दि न प्रते फूल म स डे जानि दि ना स
 प्र मे ना स हो ८ उ म र को ज र ला ९ तं दु ल्क ज ल
 सो पी ली ये १० मुख लो ह नु थ भा ११ सिद्ध जोगु ने ना क
 थो १२ अथ हाठ लेप सोरठा मे नु ला ध स म ला १३
 क रू ये तेल प का डे ये हो ठा निले प क रा १४ रु धि र श्रा
 व रु न मे हे रे १५ मुख पाक को उ फ ला दा ध गि लो
 इ स तु पा त च मे ली पा १६ दा रु ह र र अ रु पा ट पु नि
 ये ली ज ह स म भा १७ का टा की जै पी सि के क र्ण
 रु ला म धु र्कारि व द न पा क अ रु श्रु कु ग म न सै हो
 ठ विका र १८ अथ दंत रु धि र श्रा व को वा स नो थो
 का थ स म क र ठ कु डो स म जानि लो द म जो र मिला
 इ के पी स ह स म करि जानि १९ दंत की ट को सो र ठा
 र स ज्ञा दे को जानि जो र वि जो र को ल हे मुख न वा २०
 स म जानि द स न को ट फिरि ना रहे २१ वे जो ध दि द
 स न ह म ल ह र क्त ग म न मुख जा २२ पी डा की ट क प्र त
 ल दु ध नि मि ध वी च जु प ला २३ दो हा र स बा रे को ल
 ह त सु नि म थ ह जु दु नो सो २४ प्रा त रि चा टे सा त दि
 न दा त ह र क्त न हो २५ अ इ क पा न म गा २६ सु कु म
 र दि न दा त को दंत की ट जु प ला २७ च र्वे न करे अ ज

मोदयो १७॥ श्लोक ॥ तंदले मानुदग्धनदिनम
 कं विमर्दयेत् ॥ तद्भ्रंरसहोमोच्छापिष्कोतार
 संयुत ॥ जंभीरीफलमध्यस्थदोलापात्रे त्रहंप
 चेत ॥ तैलद्वौद्र्युतं भांडे समुद्यत्वावधारयेत् २७
 धक्रोदतादृतीकुर्याद्वर्षनेमविरोषतः ॥ तिलाना
 कर्षमेकंतुष्टाविंशतिपलेर्जले २८ ॥ अर्द्धशेषह
 रत्काथगंडुषंतेनकारयेत् ॥ दंतचालेदंतहर्षमु
 खरोगेचसंस्पृते २९ ॥ मुखकोलेकोदोहा सरसोस
 धौलेदुबचशोषदिलेसमसोऽ जलसोवदन
 जुलेपियैकीलारोगनहोऽ २२ ॥ सोरठा छाली
 शतिलस्यामं जोरासरसोपीतपुनि प्रयसोले
 पहकामं मुखकोच्छाईनरहे २३ ॥ चौपई हलद
 कूटलुनलोटमिलाइ यशोषदिपीसोसमभा
 र्नीचूरससोलेपहुजाइ ॥ मुखकोच्छाईनहीरह
 र २४ ॥ सोरठा जरहिगोटकीलाइ पीसैवासने
 रसो लेपकरे मुखजाइ ॥ छाईरोगविनासहो २५
 जयभासारोगप्रतीकार दोहा ॥ इवकसूमहरीतकी
 दाडिमफूलरत्नाइ ॥ सीतलनीरसोनासुले रक्तगमन
 सोषाइ २६ ॥ अथपीनसधेहरसीतसूलको ॥ दोहा से
 रिभिरचपीपरिमिलेगुडसोदीजे ज्ञानि ॥ पीनसधेहरसी
 सदुघनासइहोकाजानि २७ ॥ चंमेली अरुदाडिभापी
 होपदुहकात्ताइ ॥ रसकाटेपुनिनासदेइनासारुहिर
 थमाइ २८ ॥ चौपई दाडिमफूल अरुएलाभोती ॥ लो
 तवंगवलासमजोती पी

नासारुधिरथमपुनितासु २७ नीलधमासु शो
रकपूर लाचनवालाकालकचूर पीसजलसोन
सुजुदेइ नाकरुधिरपलमाऊहरेइ ३० सुषडल
लादसमान वचरलाअरुपीपरिपान शोधोद
त्वीइसंबदजानि इनीमिश्रीइभतेजानि ३१ ब्रत
मोसुद्धमणीसिकेदेइनाकमेनासु रुधिरश्रावद्धन
महरेजोग्राचरेइतासु ३२ सोरठा पीथावासात्ता
इ लोमककोलीपीसिके मिश्रीदुगुनमित्ताइ नासु
दइअअकुथमे ३३ नीवूसदाफलजानि मातुलंग
रुकरुथफल चारुथोछित्ताकाजानि बेलगिरीअ
जमोदले ३४ चकमृवरसत्ताइ मिश्रीदनीलीज
ये नाकरुधिरमिटिजाइ जोश्रावदिकेनासुलेइ
चौपडे लेचौरडेनोनीथासागु अनारफलजाइसम
भाग वासापुलाससुतावरिकपूर मोतीपवारोनी
लकचूर ३६ सोरठा सत्वमोकेफल मिश्रीदनीले
जिये नासुलेइसमतल रुधिरश्रावद्धनोसो ३७
पीसप्रतीकार मिश्रीअरुवंदालफलपरमित्तव
दोदोइ नासुलेइनरनीरसोपीनसशोगनहाइ
अथनेत्ररोगप्रतीकार रसंवतलोदहरीतदोग
हलदमित्ताइ जलसोअपरलेपियेनयनपर
दित्ताइ ३८ अथरगर संधाअरुफुतेस्तमित्ताइ
कोसथारमहिरगरक राइ नारोपयसोरगराहो
नत्रपीरनासनतवहोइ ४० अथअंजन कनका
अरुजस्तपुनिमहदोरससंबंध लाचनअंजनको
जीयेहोइमलोअंधा ४१ सावनवेरोवात्तकाति

लएकंजंजनदेइ निसाअंधवहृदिवसकोनिश्रेणा
सकरेइ ४२ सोरठा कटुकतोरइवीज सहतमिते
जोभाजोये दिनासातपुनिकोजे निसाअंधपत्तमेट
४३ चोपडे कानमत्कारुसहतजूजाइ निसाअंध
दिनमाअपत्ताइ मोथावक्रामृतसोजोजे निसाअं
धदिनमोमभाजे ४४ अथरगरो रसवतसुइजुफि
दिकिरीनारोदग्धमित्ताइ कोसथारगुराकरुहुन
यमपीरमित्तोइ ४५ अथसवलवाइको दोहा मि
स्वरोहलोनगुडएवाहोसमज्ञानि जलसोलेप
सवारिकेवोपउवात्तहिजानि ४६ ऊटदोतगरु
चाषरुसकाहोइनहिमित्ताइ त्रयचपटेकसुमेलि
यहकासपोत्रमहित्ताइ ४७ कुलीपयसोरगरीये
दुगंजनसुकरेइ सबलवाइकोनासहोइदूधभा
तपथदइ ४७ चोपडे तावाजस्तमारिकेलेउ नी
लाधोथारचकटेउ समदफेनफिटिकरीज्ञानि
सोपीवृनासमकरिज्ञानि ४८ गोबधुतसंगकासे
मधरह करिरगरादुगंजनकरहु सबलवाइ
वहृदिनेकाजाइ कहैग्रथमेथहसमजाइ ४९ अ
थपाएली जीराकाहोफटकरीत्रफलासोहीपाइ रसव
तहंलोहरदसमुलोदुअफीममित्ताइ येओषदिसम
आनिकैकरदुपोटलीपीसि सर्वपीरकोनासहोइनेननि
निर्मलदोस ५१ अंजनतिमरफलीवाइको सुरमासो
धासवपुनिमनसिलत्रकुटाआनि कतकफलअरुस
केरासागरफेनसमान ५२ अंजनइहरीदूधसोतिमर

गनूरदाइ फूलखोरावाइ पुनिनयनरोगमिरिजाइ ५३ अ
कणोरोगप्रतीकार दोहा॥आकल्हसनातिलपत्ररसका
वीचसोपाइ बहिरापीडापीबुदुषणेरोगनसाइ ५४
देवदारखचसोठिपुनिसेधासोफरलाइ अनामूत्रसोत
प्रकरिकानविथासमिटाइ ५५ सेधाछेलीमूतसोरंचक
तप्तकराइ सुलपीबुदुषकर्णकोडारतहीसबजाइ ५६
चोपई देवदारसरसोवचलेइ सेधोकूठहींगपुनिदे
गोवरसतिलतेलपकावे मेलैकानपीरमिरिजावे ५७
जायुनिरसदेकानसुलपीरवहतारहे सेहडिदूधकिआ
निमोइयुननयनाकहे ५८ सतमूलीरसलाइसहतस
हितसमभाइये कानवीचसोनाइसुलदारदनासेतुरत
५९ रसइद्रायनिभांगरोगाएष्टतहिपकाइ चतुर्थोसु
वरसुरहेकर्णवधिरतानाइ ६० चोपई मूरअंडसिरस
आवे इनतीनोकोरसुनिकरावे भरीयेकर्णपीर
३ सिद्धजोगयहदयोवताइ ६१ सोरठा॥पीसिसु
आनिवालमूत्रसोमर्दिये ताहिमेलीयेकानकर्णपीर
नमैरहे ६२ दोहा॥असगंधसुतावरिपीसिकेडुल
रसजुमिलाइ छेरीदुग्धपकाइयेकर्णपीरमिरिजा
सोरग लोटासानीआनिवालकमूत्रसोमर्दिये का
देइसुजानकर्णरोगकोगसहोइ ६५ सपतालकोर
वीचसोपाइये कीराजाइसवगओखधिरतानास
चोपई समुद्रफेनटेकडेलावे गाएधीमेताहिजलावे
धीउकानमहिमेलै कीटवधिरतापलमेरेले ६६

सररोगप्रतीकार वातशिरोवर्तिकोलेप देवदारुकूटकाइफर
 रंडतेलमिलाइ काजीसौलेपनकरैवातशिरोवर्तिनाइ ६८ अ
 थकफशिरोवर्तिको पदडी एरंडरासनाकूटजानि छडेवचवि
 धाइरोमौंधाजानि सोतप्रनीरसौंसीसलाइ छनमाहसकफ
 शिरोवर्तिनाइ ६९ सोरठा चंदनशिवाउसेरभौंधामिरचड
 लाइची कमलबीजदूवेरपित्तशिरोवर्तिनासहाइ ७० अथक
 फपित्तशिरोवर्तिको दोहा कूटमिरचअरुकाइफरएरंडकीजर
 लाइ तप्तनीरसौलेपीयेतौशिरोवर्तिनसाइ पीपरिमिरचह
 रीतकीयेतीमौसमभाइ काजीसेतीलेपीयेपीडासिरकीनाइ
 ७१ चौपई मनुसिलपीपरिल्लानानि लौनभूगककोलसमा
 न सीतलजलसौलेपनकरै मस्तकपीरछनकमैहरे ७२
 औगातगर आवरेछालि वेलपातएलासमधालि भूगचूगसि
 स्तेपनकरै मस्तगसुलपीरसवरहे ७३ श्लोक कुंकुममधुयेछि
 चसिताघृतशुनोत्रं सप्ताहेचक्रतंनश्यंदाहं हंतिसिरोरुहं
 सिग्रूपत्रसैमर्धमिरचंचमूर्वासतं मर्धतेलंचवातारिहंतसर्व
 शिरोअथा ७४ श्वेदनंघृतगोधूमैर्निर्गुड्राधाअथतेनवा स
 क्षिपातोद्वहंतिपुराणघृतपानकै ७५ सोरठा ॥ बीजपवार
 कुंधानिकाजीसेतीमर्धये मस्तकलेपुडुजानि हेरैरोगशि
 रंवर्तिको ७६ मूलपटोलकुंधानि जलसौपीसिजुराधीये
 मस्तकलेपनठानि शिरोवर्तिकानाहाहोइ ७७ आधासी
 सीकोलेप कूटपीपरासारवावचसुहलेदीजानि काजीसे
 तीलेपकरिआधासीसीहानि ७८ अथनांस घृतसौं
 सौंधोपीसिकरिगसुलेइपरभात सिद्धजोगनेन

जाधासीसीजात मिश्रसदाइपीसिकेकागदपुंगी
मेलि फुकिघानके रंशुमेजाधासीसीदेति ८३ सो
रठा जजैपालविसुजानि नीलाथोथानिविसी ले
दिर वीजाघसीयैवालकमृतसो ८४ दाहा पाकिजु
पौरकनपटोकरेनकापिनिसंग सिद्धजोगनेनाक
द्यापीडानासेजुग ८५ सोरठा वचरकोराजानि
मिश्रसहितलेपीसिके जाधासीसीजहानि करे
कनपटोलेपजव ८६ नीलिसनीचकेदिनानोतिभा
नुदिनलाइ काथवनाइपिवाइयेआधासीसीजाइ ८७
सोरठा मूलभांगरालाइकाजीसोजवपीसिये आधासी
सीजाइजोनरयाकोनासलेइ ८८ अथइलप्रतीकार
बीजधनतरिआनिनासलेइनप्रातउठि होइइलकीले
निसिद्धजोगनेनाकलौ अथकेसहइनकोदोहा। फूल
तिलनिकेगोषूद्यतमधुमाहिमिलाइ केसनिसेले
नकरैचिदुरवडेअधिकाइ ८९ अथकेसहरनको सोस
चूरनकरुवातेले समकरिपीसिघांमभुंमेलि जोगके
सनिमईनकरे दिननोमेंचिदुरनिकोहरे ९० संघभर
हरतालकेरासपुटसातदे सूकेरसपुनिघालिकेस
तनहोइपलकमें ९१ टाकभस्महरतालरसकेलासो
मईये शिरमेंशधैघालिकेसपतनहोइनिमघही ९२
अथकेशहोनेको हस्तीदंतकीभस्मकरिपीसदुरंसवत
सोइ छेलीपयसौलेपीयेगएकेसपुनिहोइ ९३ वडी
कटाईविरहटाचदुटीलीजउनाइ नफलारससोमईये
वाल्लुसेतेजाइ ९४ आमकीगुठिलीआवरेपीसेसम

करिजोग मई नमों था कौ करे जाइ बुसी धारोग ६६ सोर
 ठा वेलगूद गुड लाइ जलसौ ओटि पकाइये मस्तिक मदि
 र लाइ बुसी धावाइ काना सहोइ ६७ अथ कलप दोहा
 लोह चूरन सभांगरानी लिपत्र फलतीनि अजामृतसौं
 लेपीये कलपरे हेव दुदीन ६८ चौपई मनसिलगंधि
 कवाइ विरंग कुरोधेनु मूत्रलैसंग मिष्टतेल मधिसिरमें
 लावे सेतके सन्नवां मिटि जावे ६९ इति श्रीपंडितवेद्य
 केसवदास पुत्रनयनसुखविरचिते वैद्यमनोत्सवे वातपि
 त्तकफ शुल्ममुषनासिकानेत्रकर्णशिरोवर्तिशिरोगत्रा
 धासीसीकेशवर्द्धनकेसनासहौं नाकेसउतपतिप्रतीका
 रकेसकलपनामषष्टभोशमुद्देस ६ अथ औषदिपेरकी
 चौपई तवाधीरगजकेसरिलेइ नेत्रवाला चंदनदेइ तंदु
 लजलसौलेइ मिलाइ प्रदरोगनारीकाजाइ १ गजके
 सरितंदुलसितादीजे नीरमिलाइ प्रदरोगकानासहो
 इसा लिपसूरजुवाइ २ चौपई विरहटी तंदुलजलसौं
 लेइ पीवतनारी प्रदर रहेइ पुनिके लारसपुष्पकोप्यावे
 नारी प्रदर छनमाहमिटावे ३ अथ पुष्पहोनेको वृंलदं
 डी अरुत्रकुटालेइ तिलकुटाइ चूरन करिलेइ गयोपु
 ष्यनारीको जोइ भच्छन करतहालही होइ ४ सोरठा
 रंती गुडजवाधारबीजतमरीमें नफल पीपरिया मदि
 डारिपीसदुसें हडिदुधसौं ५ होइ पुष्पवतिनारिवाते
 करिभगमें धरे कट्योसुपखुपकार सिद्धजोग यज्ञानित
 ६ अथ जोगिसुद्धहोनेको दोहा।

करसागरफेनमिलाइ वाइविरंगइलाइचीगजकेसरिसम
भाइ ७ जलसौंगोलीकीजीवेठंकएकपुवान भगभैरावे
जतनसौइहओयदित्तजानि वंध्यागभंजुहोइसुयजोनिदोष
सर्वभाइ सालिभूगगोधीरघृतयहपुनिपथ्यकराइ ८
अथगर्भहोनेको मिरचसोहिअरुपीपरिलेइ गजकेसरी
जुकटाइदेइ गोघृतसौपीवेजोवाल ताकोगर्भहोइतत
काल १० सोरठा गजकेसरिअसगंध सितारोचनासालि
पुनि पयसौपीवेवंध्यहोइगरभततकालही ११ अथकषे
स्त्रीको सोरठा पयसैहडिकाआनिलेपकरहुनघनाभिही
होइकषकोहांनिछनभैहोइप्रसूतिपुनि १२ जरमुंडीकीले
इकरिवांधैकएवध तवहीपीरहरेइहोइप्रसूतिततकाल
ही १३ अथगर्भपतनको धाइलेजारुकमलफलशुहले
ठीसमभाइ तंदुलजलसौपीजीयेगर्भपातदिजाइ १४ अ
थभगसंकोचन पीसिकसेलाफटकरीमाइलोइकपूर वे
जरीरुकनेरछिलुमाज्जफलमहिचूर १५ मदनग्रेह
कैकरैपुरुषसंजोग जोनिअधिकसंकोचहोइरहेनको
इरोग १६ माइधाइहुफटकरीमाज्जलोदुनुमेलि वेरजरी
जोपाइकैसीकनमावैरेलि १७ त्रफलालोदजुधातुकीज
शुनितुवाभिलाइ भगमाहिलेपैसहतसौंइइकुमारो
१८ मटागजकोआनिधोवेजोनिहिप्रातउदि यहसंकोच
नजानिसिद्धजोगनयनाकह्यो १९ अथगोली
कपूरसमगोलीकरिमधुनाइ जोनिवीचसोरावी
सीकनमाइ २० अथजोनिदुरगंधिहरन होहा

अतिदुरगंधिहरैतु

मानैपीय २२ अथकुचकठिनको असगंध

सोइ लेपनकीनेनीरसो

२२ सोरठा जलतंदुलको आनि

कठिनहोइकुचजानिसिद्धजोगनथ

२३ अथथनहेलेको निसांकुमारीतसकरिकु

थनहेलाकानासहोइसिद्धजोगयहेइ

२४ अथवालकरोगप्रतीकार कांकरासिंगीकनापनी

स सिस्त्रिचटावेमधुसौपीसि तापस्वासअरुच्छर्दिन

साइ श्लेष्मकासपीरसवजाइ २५ अथवालकअती

सारको सोरठा वालालोदुमिलाइवेतुधातुकीगजक

ना मधुसौकाथचटाइअतीसारकानासहोइ २६ अ

थरुचचिकित्सा लिंगवृद्धिको विजयाआककनेरिज

रुकापाइ गोलीकीजैपीसिकेलीजैछाहसुकाइ २७

अथभूतसौपीसिकेकरेलेपइंद्रीय दीरघकठिनस्य

वृद्धिभवतभाजैत्रीय २८ वचजुकूटगजपीपरीअसग

ंधालोइ मरिधीघृतसौलेपीयैलिंगमुसलसम

साइ २९ असगंधपारदगजकनारजनीसितामिलाइ

पनकीजैलिंगपरवृद्धिस्थूलकराइ ३० अथनयुंस

को गोकंठकवासनेमेंश्रुदै तेलपातालजंत्रसोवृदै

मांसवारिपानससगधाइ नरनिपुंसकताभिदिजाइ

अथसोडकोइधसमंलजात्रकोजर

रिलेपीयथभ्रजहोइअधिकाइ

॥ ७ ॥ अफीम जाइ फल बीज धतूरा सोइ घृत सोइ इंद्री ले
पौधे सिधिल लिंग इट होइ ३३ थंभन दोहा आच्छी आ
ने अफीम की करे वार्त्तिक जोग लिंग छिद्र मरि राधीये व
हुत करे न रोग ३४ अथ मदन प्रकासन चूर्ण तालम
घाने मूसली सोइ गीघर पाइ कौछ बीज असंगंध अणि
सै मरि फल मिलाइ ३५ वाल सुता वरि मोचर सलै लह
सौरे जान घांड दूध सोपी जीये वहु त्रीयर मं सुजान ३६
अथ काम विलास गुटिका कुंकुम सिगर फ जाइ फल
तालम घाने पाइ कौछ बीज तजम सिंगी अकर कटा जु
मिलाइ तुंब रूलौ गतमाल पत्र अजवाइन घुरा सोन ती
नि भाग ये ली जीये एक नाग परवान ३७ रस विजो रे गुटि
का करौ पर भित टंकु एक सयन समे भे छन करै लल
नार भे अनेक ४० चौपई ने ली सै मरि की जर लेइ स्याम
मूसरी तामहि देइ दूध घाउ सो पीये रलाइ धातु उदिक लहो
इ अघाइ ४१ अथ स्थंभन धतूरा जु असंगंध मगावे दोनी
पान कूटि पिसवावे मन एकर सजुइ कटौ करे गोपय सेर रा
चत हां धरे ४२ इक टा करै कै औटि जमावे धीउ काटि फल
कनक मगावे बीज तिहाई न्यारे करै सोलै धीउ फल निमै
४३ तीनि दिना लौ राखे ताइ फल निसेती मरि दिये ताइ इ
द्री ले पकरे नर कोइ निपु सक जाइ लिंग इट होइ ४४ अ
थ चूर्ण कौच बीज पयमे औटावे पोस अफीम भांग रला
वे भिजे भिजे पुट सात जु देइ तक औबदिइ सब रहिलेइ अ
कर कटा लौंग अज मोट दुल दुल बीज जाइ फल लोइ अ
कर ससौ गोली करे संध्या घाइ भोग नर करे ४६ अघाड

चंदनरजनीमौथाकचूर लोदअगरपदगायक

छडमरुजागजकेसरिपाइ गांडरजरआवेरिमिलाइ ५७

देहीमईनकीनेजास सवदुरगंधछनमोहीनास ५८ पिपा

रोगसवनासैजानि चरकग्रंथतेकखोवधानि ५९ अथन

गलगंधिको मौथावेलहरीतकीवीनआमिलीपाइ नेप

रेनरीसौवगलगंधिमिदिनाइ ५० अथगुटिकासुपदुर

गंधिको वेलथुनेलाइलाइचीनावनीतननेउ गनकेसमिध

नाइफलयेजोषदिसमदेउ ५१ गोलीकरिमधीरिमांसय

नसमैमुषधारे आननकीदुरगंधितानामगंडततकाल

अथलेप गजकेसरिनीवकोजइपाइ मिरसपउअमलोदमि

लाइ जलमोनहनकीनेगात दुरगंधिताहनमाहीनात

५२ मिरदुरगंधिकोदोहा चंदनमोयनिगावतीकाकिर्या

रमकर जन्मोनेनहमोसमैदिदोइदुरगंधिसुवडरि

परिलेप सुवदुसननननिशोजनिपाइ औषधियने

रमकनअनकेयेसमार ५३ चंदनकोचरदंगमांस

कोमकनमिदुआनि दुकेकंउउउमुषकरनआइदु

सुमिदुने ५४ केनुइउउमुमुनेननुउकलपिपाइउ

चंद सुअजगरकेनेदुनेउउउउउउउउउउउउउउउ

उउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउ

उउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउ

उउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउ

उउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउ

उउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउ

उउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउउ

होइ ६० आदि अंत पूरु न भयो लीजहु चतुर विचारि वैद्य
ग्रंथ वहु देखि कै भाषा की यो उचार ६३ चौपई सागधर
रुका लग्यान हितोपदेश सरस मंत्रो जान वृंदाग राजा अ
धपती मनोरमा अरु लीलावती और जोग सत कौ लखि
जोग इत नै मथिके की यो प्रयोग ६५ इति श्री पंडित वै
द्यके सवदा सपुत्र नयन सुष विरचिते वैद्य मनोत्सवे स्त्री रो
गवालक चिकित्सा पुरष प्रयोग प्रतीकार नाम सप्तमो समु
द्देश ७ इति श्री वैद्य मनोत्सव ग्रंथ संपूर्ण मिति माघ मा
से शुक्ल पक्षे पंचमी ५ चंद्रवासे संवत् १८६१ शुभं न
स्तु श्रीरस्तु श्री रामचंद्र जानकी नाथ सदा प्रसन्न रहे
पोथी लिखी नगर जौरेसे श्री श्री श्री

सिद्धपुतिसर्वकायानिनामिधारात्

पुष्येपुनर्नवामूलंकरेसप्ताभिर्भ्रितं वध्या
वैश्वपूज्यस्यामंत्रमंत्रैवकथ्यते एरंडंतोभयभगवति
स्वाहा॥मंत्रमेतत्पूर्वमयुतंजपेत्ततःसिद्धिद्वदली
सिद्धार्थगुटिकाकारयेदुधमुखेनिक्षिप्यसर्वेषांप्रियो
भवतिनाम्यथा भृंगमूलंमुखेक्षित्वा सर्वत्रपूजितोभ
वेत् रोहिण्योवद्वदंकेसंगृह्यंधारयेत्करे वश्यंकरो
तिसकलंविस्वामित्रिणाभाषितं पुत्रजीवकपत्रंचतिल
करोचनायुतं प्रियोभवति सर्वेषांनरः कृत्वोललाट
के

रसगंधकपत्रगजागलंविषचूर्णमृदयमृतपात्रयत्तं
मुद्रिकञ्जितितंनिहितं समलाइकविंशदिनेरहितं
रत्नश्रृंगरसंघृतमध्यधृतं दृढं कृतदर्शननक्षत्रि
र्वज्वरं रसनामतनूरुद्धवेधकयंसचउक्तधनंनरु
तयं १ टीकाः पागे गंधक विष अक्षीम पीपलि
च हीग मूला मापडोगेडोपेरुआरिडिरेडोडिरे
पीतेसुधासवलेउओरओघदेडुरेजोपीतोसा
सवडुयोडुगे पो रसेवनवित्तवडोलाजंउरु
वासनमतिशलेउतामेफानीमेरेमोदोलातामे
वैदिनः २० पाण्डेयादिलेउत्त

यनेलगेतवन्नलशरिगोलीनाधिमायत्रमान
प्रेगोलीधीउमेत्तधानीनीमेसुरीसोमएनप्रे
गियोजरनांसैततकाले यहसात्पदे २००

अथ जंत्रपत्रहोवारिप्रकारकेसुभत्राशुभ

८	९	६	॥	६	७	३	॥	२	७	६	॥	३	५	५
३	५	७	॥	९	५	८	॥	८	५	९	॥	३	५	५
४	६	२	॥	८	३	४	॥	४	३	८	॥	३	५	५

श्रीगणेशायनमः अथमंत्राः । उ० श्रीं क्रौं लीं तं वां सुं वां सुं
 आककेपातपरजंत्रपत्रहरानलित्तैशेनापदपावकं परवृत्तं
 तिस्रैश्चामिनेवारिदेइरोन १०० राइउवांगुपवैशद रिगुं
 अनारकीकलामसो लिये अनर्थकान्तिं देव ३ सुभुव्या
 मंगवर १०० तौ सत्रमुरसकल्पयाकनायकेकां प्रोक्तं
 पातमेलिधैदस्याउमेडरै उचात्कटाटका सुभुव्या
 लपत्ति असुभकानिकोक्रक्षुपां प्रोक्तं सुभुव्या
 भेषकौआरसीटिषकेप्राया सिग्नेकभ्यां सुभुव्या
 कर्ककौआरकभ्याकभ्यामिनेकेभ्यां सुभुव्या
 मकरकेभ्यां सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या
 रासिदाइस सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या
 इनभ्राता सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या
 विवैदि सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या
 आइपर सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या
 लिशतौ सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या
 १०० तौ सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या सुभुव्या

यथविषसोधनकीरीतिहे सबलसखाग्रार

यमसंवलविसक्रोसोधन गोदंतीविससी

यमसंवलअसललीनअंगक्रोलेकेडेलीमा
 धीवाक्रोमुखमूरिके प्राग्मपक्रावेधूरुआ
 इरीसअयामेपक्रावेकीतेलमेडेलीधीके
 आधाकारकीएषकीएकमटुआमेभीवावे
 सकीउरीधीमुखमूरिके प्राचतीसप
 शुद्धहेः॥०॥ गोदंतीकोसोधनेप्राक्केद
 एरहीकेदधमेघोटेकी सरवामेनोनहे
 उपरगोदंतीकोधरेकी उपरनोनुभुरा
 चगादीदेइवहशुद्धहेषासीकरु नुरकेउपर
 मेः॥०॥ अलेडीसंखीआकीभस्महोतीहे
 प्रारहतालपीरोप्रारतवकीआप्रारसिंधी
 योनिहोसोधनयापोथोमेनिव्योडीहेताबोदे
 अगोदंतीकीभस्मः मेदाहोतीकीपत्रीलेवाकीलगुदीमे
 सर्वामेधरिआचदेइतोभस्मनिर्मलहोइअसेइला
 धनाप्रारवारीनोनुरेतीनोकोचुराकीसर्वामेगो
 कीधीउपरनीचेवाचर्नकोविष्ठाउआचदेइते
 इउपतेहेजाइः १ संमलकोकेराकेजरकेगटामेडली
 प्रारआचदेइतोभस्महोइः २ प्रारसंमलछटाकमीले
 नदधुलेपासएपाजुकोप्रबेमिलाइडोलाजंरसेपक्रावे
 अनेमधीवतीसपहरकीआचदेइतोभस्मनिर्महोइः ३

काचनारत्वकल्कं मूष्यायुग्मपुक्तयेत् ११ धत्वात्से
पुरेगोलं मूष्यासंपुष्टवतत निशायसां धिरोधं चकृत्वा
ससाष्कोकले १२ वन्हियतरं कुर्यादेव दद्यात्पुष्टय
निरत्यजायते भस्म सर्वकोषेषु योजयेत् १३ काचनार
पुकोरेण लणली हतिकाचनः ज्वाला मुषीतथा हन्यात्तथा
हंति मनसिला १४ अन्यच्च सिला सिद्धे रयोश्चूणं समोषे
१५ र्स्किद्वयके सत्त्वैव भावनारथात्सोषयेच्च पुनः पुनः १६ त
तस्तु गलिते हि मूकलोकां दीयेत्समः पुनर्धत्ते र्दिवितं
यथा कल्को विलीयते १६ एवं च लान्त्रयं दद्यात्कल्के
ममृतं भवेत् पारावतमलेर्लेपे दृश्यात्कुर्यात् १७ हेम

